अवधि की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–238 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 27 दिसम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

6 घंटे राजधानी की सड़कों पर दिखा एयरप्लेन

मुंबई से असम ले जाया जा रहाय वहां रेस्टोरेंट बनेगा,

लखनऊ,(यूएनएस)। राजधानी लखनऊ में सोमवार देर रात गजब सीन दिखा। लखनऊ–सीतापुर रोड पर एक टेलर के ऊपर एयरप्लेन (स्क्रेप) ले जाया जा रहा था। 6 घंटे तक यह एयरप्लेन लखनऊ की सड़क पर दिखा। इंजीनियरिंग कालेज से मुंशीपुलिया की तरफ जाने वाले फ्लाईओवर पर यह प्लेन फंस गया। ड्राइवर को फ्लाईओवर पर मोड़ने में दिक्कत आने के चलते करीब एक घंटा पुल उतरने में लग गया। इस दौरान उधर से गुजर रहे वाहनों की रफ्तार थम गई। वहीं लोग सड़क पर एयरप्लेन देखकर सेल्फी और वीडयो बनाने लगे। पुलिस ने एयरप्लेन को शहर से बाहर तक निकाला। यह मुंबई से चलकर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार होते हुए असम तक जाएगा। ड्राइवर ने बताया, इसको मुंबई से लेकर 2 दिन पहले निकले थे। इसको सड़क मार्ग से असम ले जाना है। इसमें एक होटल बनाने का प्लान है। मुंबई से लाते वक्त इस तरह कई जगह वाहन को मोड़ने और पुल के नीचे से रास्ता होने से निकालने में दिक्कत हुई है। लोगों को दिक्कत न हो, इसलिए रात को ही शहर में प्रवेश करते हैं। यहां पर पुल के मोड़ पर स्पेस कम होने से दिक्कत हुई। वहीं आगे सड़क निर्माण के चलते पुल के नीचे टेलर निकालने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। हालाकि स्थानीय पुलिस की मदद से शहर से वाहन को निकालने में मदद मिली है। अब सोशल मीडिया पर लोग इस प्लेन का वीडियो वायरल कर रहे हैं।

हरिश्चन्द्र वंशीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज से इन्दिरागांधी प्रतिष्ठान में

लखनऊ,(यूएनएस)। हरिश्चन्द्र वंशीय समाज का दो दिवसीय हरिश्चन्द्र वंशीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का आयोजन कल 27 दिसम्बर से इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में हो रहा है। इस सम्मेलन का उद्घाटन अपराह्न 12 बजे मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी दीप जलाकर करेंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय हरिश्चन्द्र वंशीय महासभा के पूर्व अध्यक्ष फकीर चंद्र रुस्तगी करेंगे। कार्यक्रम के दूसरे दिन 28 दिसम्बर को प्रातः मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं अभिनेता डा. अनिल रस्तोगी द्वारा शुभारम्भ किया जाएगा। इस सम्मेलन में देश–विदेश से सैकड़ों की संख्या समाज से जुड़े लोग हिस्सा ले रहे है। दो दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन के दौरान लखनऊ की भावी योजना मल्टी स्पेशियलिटी हास्पिटल, श्रीनाथ जी का मंदिर, अन्नपूर्णा भोजनालय आदि स्थापित करने पर विमर्श किया जायेगा तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठ कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा विवाह योग्य युवक युवतियों का स्वपरिचय कार्यक्रम भी होगा।

भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे अटल : योगी

50 हजार किसानों को सोलर पंप देगी सरकार

बटेश्वर में सीएम ने किया 148 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

आगरा–मथुरा के बीच हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

लखनऊ, (यूएनएस)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, अगले दो साल में 50 हजार किसानों को सोलर पंप देंगे। इससे डीजल पंप से मुक्ति मिलेगी। किसानों को खेतों में पानी लगाने में आसानी होगी। आगरा में आलू शोध केंद्र बनने जा रहा है। इससे

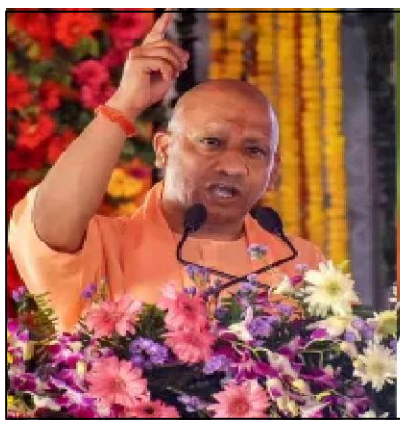

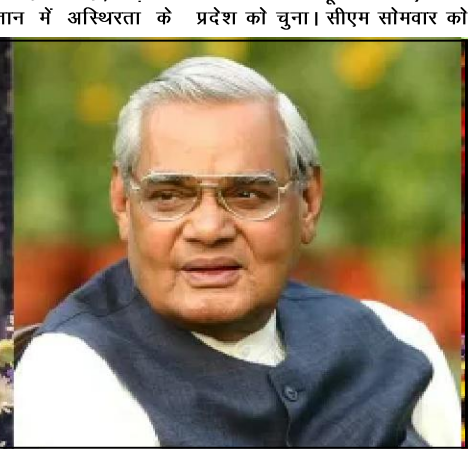

आलू किसानों को मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर आगरा स्थित उनके पैतृक गांव बटेश्वर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने 148 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार से उत्तर प्रदेश में विकास हुआ है। जिस वक्त हमने बागडोर संभाली थी तब यूपी की अर्थव्यवस्था देश में छठवें स्थान पर थी, अब उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। आज प्रदेश में सुशासन है। विकास के साथ गांवों की कनेक्टिविटी बढ़ी है, हवाई सेवा शुरू हो रही हैं। 2017 में देश के पर्यटन में यूपी तीसरे स्थान पर था, आज कोई आसपास नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश कोअस्थिर सरकारों ने नुकसान पहुंचाया। स्थिर सरकारों की उपयोगिता पूर्व पीएम अटलजी ने समझाई। उन्होंने कहा, पड़ोसी देश पाकिस्तान में अस्थिरता के कारण रोटी के लाले पड़े हैं जबकि हमारे प्रधानमंत्री मोदी पिछले साढ़े तीन साल से मुफ्त अनाज बांट रहे हैं। अटलजी ने मूल्यों, आदर्शों और प्रतिबद्धता से जनता की सेवा करना बताया। देश में विकास के बड़े कार्यक्रमों को लागू किया। पहले बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं, किसान खेत पर नहीं जा पाते थे। विकास के पैसे का बंदर–बाट होता था। भगवान शिव के आशीर्वाद से यूपी की अर्थव्यवस्था को देश में नंबर एक करेंगे।सीएम योगी ने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पावन जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई जा रही है। अटलजी भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे। उन्होंने भारत को राजनीतिक अस्थिरता से उभारने का कार्य किया तथा देश की राजनीति में शुचिता और पारदर्शिता का एक आदर्श प्रतिमान सबके सामने रखा। आगरा का बटेश्वर उनकी पैतृक भूमि के रूप में जाना जाता है। यूपी से खास लगाव के कारण उन्होंने अपनी शिक्षा तथा कर्मभूमि के लिए उत्तर प्रदेश को चुना। सीएम सोमवार को लोक भवन स्थित अटलजी की प्रतिमा के सम्मुख रखे उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। विगत साढ़े 09 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुरक्षा और सुशासन के नए प्रतिमान स्थापित किये हैं। इसकी आधारशिला अटलजी ने अपने शासनकाल में रखी थी। जिन आदर्शों और मूल्यों के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, प्रदेश सरकार उन मूल्यों और आदर्शों के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष अटलजी के जन्म शताब्दी वर्ष का प्रारम्भ भी है। उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने तथा समाज और राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करने वाले उनके जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रदर्शित करने के लिए आगामी 01 वर्ष की अवधि में अनेक कार्यक्रम होंगे। अटलजी की साहित्यिक रुचि व पत्रकारिता क्षेत्र में योगदान का स्मरण करने के लिए अलग–अलग प्रकार के कार्यक्रम ग्राम पंचायत से प्रदेश स्तर तक, बेसिक शिक्षा स्कूलों, विश्वविद्यालयों एवं अन्य संस्थाओं में आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।मुख्यमंत्री ने आगरा–मथुरा के बीच हेलीपोर्ट सुविधा का शुभारंभ भी किया। अब पर्यटक हवाई यात्रा कर ब्रज दर्शन कर सकेंगे। उधर गोवर्धन में पर्यटन मंत्री ठा. जयवीर सिंह ने बताया कि ये हेलीकॉप्टर सेवा गोवर्धन, मथुरा वृंदावन, आगरा के बीच रहेगी। 8 सीटर हेलीकॉप्टर से गिरिराज परिक्रमा भी की जा सकेगी।

नगर निगम की मेहरबानी से राजधानी स्मार्ट सिटी बनने की ओर अग्रसर

लखनऊ। पिछले कई वर्षों से राजधानी लखनऊ को स्मार्ट सिटी बनाने का सपना राजधानीवासियो को काफी जोर–शोर से दिखाया जा रहा है। इस दिशा में सरकार और प्रशासन काफी जोर षोर से प्रयास भी कर रहा है। पुरानी अच्छी–भली इण्टरलॉकिग टाइलों को हटाकर जबरदस्ती नयी टाइलों को लगाया जा रहा ह। महीनों से खुदी पड़ी सड़ी सड़के आदि किये जा रहे विकास कार्यों की गवाहियां भी दे रही है। परन्तु सच्चाई ठीक इसके विपरीत है जो नगर निगम, जलकल विभाग और जिला प्रशासन की पोल खोल रही है। जो नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रबन्धन अभी तक नालों की सफाई ही नहीं करवा पाया है वह स्मार्ट सिटी क्या बना पायेगा? जो जिला प्रशासन नालों की सफाई नहीं करवा पा रहा है, नालों के किनारे अवैध कब्जा कर रह रहे अवैध बाग्लादेशियों और राहिग्याओ की बस्तियों को नही हटवा पा रहा हो, राजधानी को स्मार्ट सिटी क्या बनवा पायेगा? स्मार्ट सिटी के दावों की पोल खोलने के लिये षहर का मात्र एक छोटा सा नाला ही काफी है। जबकि ऐसे दृश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में

दिखायी देगें। जोन–2 के राजेन्द्र नगर वार्ड के दुगांवा पुलिस चौकी के सामने स्थित नाला गंदगी से पटा पड़ा है जिस पर कोई भी पैदल चलकर पार कर सकता है। इसकी वर्षों से सफाई ही नही हुयी है। नगर निगम कागजों पर इसकी सफाई करवा कर अपने कर्तव्यो को पूरा कर दता है। नगर आयुक्त, महापौर के साथ–साथ स्थानीय भाजपा पार्षद भी कभी यहां का निरीक्षण करने नहीं आये है। स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर करोड़ों रूपये कहां खर्च हो रहे है यह देख कर वोट देने वाली जनता अपने को ठगा सा महसूस कर रही है कि क्या स्मार्ट सिटी ऐसी ही होती है।

नव दिवसीय श्री रामकथा की पूर्णआहुति, विशाल अटल भोज सम्पन्न

बुद्धि और विवेक के लिए सत्संग आवश्यक है ' प्रेमभूषण महाराज

लखनऊ, (यूएनएस)। सत्संग की प्राप्ति नहीं होने से ही मनुष्य विचार शून्य होते चले जा रहे हैं। मनुष्य को बुद्धि और विवेक की प्राप्ति के लिए सत्संग बहुत ही आवश्यक है। सत्संग की प्राप्ति नहीं होने के कारण व्यक्ति अच्छे–बुरे का निर्णय नहीं कर पाता है। सरस् श्रीराम कथा गायन के लिए सर्वप्रिय प्रेममूर्ति पूज्य श्री प्रेमभूषण जी महाराज ने उक्त

बातें लखनऊ के गोमती नगर विस्तार स्थित सीएमएस विद्यालय के मैदान में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के नौवें दिन व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए कहीं। श्री रामकथा गायन के माध्यम से भारतीय और पूरी दुनिया के सनातन समाज में अलख जगाने के लिए जनप्रिय कथावाचक प्रेमभूषण जी महाराज ने श्री राम कथा गायन के क्रम में कहा – हम विचार करें कि जीवन में सुख पाने के लिए हमें क्या चाहिए? इतिहास गवाह है कि संसार के समान से आज तक कोई भी सुखी नहीं हो पाया है। असली सुख जहां है, उसकी तलाश आज का मनुष्य करता भी नहीं है। हमारे सदग्रंथ बताते हैं कि अगर जीवन में सचमुच सुख चाहिए तो हमारे पास दो वस्तुओं की आवश्यकता होती है। प्रथम है निरंतर भक्ति और दूसरा है सत्य का संग। हमारे सनातन सद्ग्रन्थों ने बताया है कि 84 लाख योनियों में विचरण करने के बाद भी कभी प्रभु की कृपा होने से ही मनुष्य का शरीर प्राप्त होता है। अगर मनुष्य का शरीर प्राप्त हुआ है तो आप समझें कि आप सचमुच भाग्यशाली हैं। और अगर इसके साथ आपको सत्संग की प्राप्ति हो गई हो तो आप उससे भी अधिक भाग्यशाली हैं।

हमारे लिए तो यह आवश्यक है कि हम निरंतर सत्संग में रहें और आवश्यकता पड़ने पर ही हमें सांसारिक कार्यों में भी जाना चाहिए। लेकिन साथ ही हमें बार–बार सत्संग में वापसी के लिए भी प्रयास करते रहना चाहिए।पूज्य श्री ने कहा कि प्रयास करें कि मुंह छुपाना पड़े हमसे ऐसा कर्म कभी नहीं हो। कई जन्मों के सत्कर्म के बाद मनुष्य का तन मिलता है अतः इस तन सही उपयोग यही है कि हम भगवत कार्य में लगे और जीवन में कभी भी ऐसा कर्म नहीं करें जिसके लिए हमें मुंह छुपाना पड़े। बल्कि घर में रहें या बाहर जहां भी आप जाएं तो लोग समझे कि एक भगत जी जा रहे हैं।ममता चौरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सी एम एस विद्यालय के निकट मैदान में आयोजित नौ पूर्णाहुति सत्र की कथा पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी को समर्पित करते हुए दोपहर 1 बजे से ही प्रारंभ हुई।श्री रामकथा के माध्यम से भारतीय और पूरी दुनिया के सनातन समाज में अलख जगाने के लिए सुप्रसिद्ध कथावाचक प्रेमभूषण जी महाराज ने कहा कि आप क्या हैं? यह लोग नहीं बताएंगे । वास्तव में लोग जो कहेंगे या कहते हैं उस पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है । यह तो आप खुद ही जानते हैं कि आप क्या हैं? मनुष्य का दोहरा चरित्र नहीं होना चाहिए। हम भगवान के समीप चाहे जितना भी बनाके या सजाकर जाएं भगवान को पता है कि हम क्या हैं? इसलिए भगवान के पास भी जब हम उपस्थित हो तो सहज स्वरूप में उपस्थित हों किसी भी तरह के बनावट की आवश्यकता ना पड़े।पूज्य श्री ने कहा कि यह समाज उसी को स्मरण में रखता है जो समाज को कुछ देता है। अंगद जी ने रावण को समझाते हुए बताया था कि 14 प्रकार के लोग जीवित रहते हुए मृतक के समान हैं। हमें हमारे सनातन सद्ग्रन्थ बताते हैं कि हम किस प्रकार अपना जीवन जियें? इस कलयुग में बहुत कठिन तप करने की आवश्यकता नहीं है । केवल भजन में रहने भर से मनुष्य का जीवन सफल हो जाता है। इस कलिकाल में सिर्फ 1 दिन की कथा भी किसी का जीवन बदल सकती है भगवान की कथा इतनी पावन है ही।महाराज श्री के मीडिया प्रभारी तारकेश्वर मिश्र जी ने बताया कि पूज्य श्री की आगामी कथा कोटा राजस्थान में आगामी 2 जनवरी से प्रस्तावित है।कथा की पूर्णाहुति पर अटल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद लिया।

कथा की समाप्ति पर भव्य आरती का आयोजन किया गया जिसे नैमिषारण्य से आए सुनीत पाण्डेय और विशेष पंडितों के समूह ने बड़े भव्य तरीके से संपन्न किया।

विशेष सत्र का श्रवण करने के लिय बड़ी संख्या में विशिष्ट जन उपस्थित रहे। पूज्यश्री ने दर्जनों भजनों की सुमधुर प्रस्तुति से हजारों की संख्या में उपस्थित श्रोतागण को झूम कर नृत्य करने के लिए बाध्य कर दिया।कथा में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं गंगा समग्र के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री राम आशीष जी, उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, के. जी. एम. यू .लखनऊ में जियाट्रिक साइकिएट्री के प्रोफेसर डॉक्टर शैलेन्द्र मोहन त्रिपाठी, एडवोकेट अनिल मिश्रा प्रत्याशी अवध बार एशोसियेशन मा. उच्च न्यायालय लखनऊ,सहित विभिन्न विशिष्ट अतिथियों ने मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम, भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी एवं सेवा की प्रेरणा श्रोत स्मृति शेष ममता मिश्रा के विशाल प्रतिमा का अनावरण कर पूज्य महराज से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा ममता चौरिटेबल ट्रस्ट परिवार की तरफ से चीफ ट्रस्टी राजीव मिश्रा,संरक्षक ट्रस्टी डॉ राजेश शुक्ला,कोषाध्यक्ष एड. गौरव पांडे आदि ने अतिथियों का मोमेंटो तथा अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत–सम्मान किया! श्रीराम कथा पूर्ण आहुति नैमिषारण्य से पधारे संतों के महाआरती से हुई! समापन के बाद दिव्य अटल भोजध्भंडारे का आयोजन हुआ ! उक्त भोज में उमड़े भक्तों के सैलाब ने प्रसाद ग्रहण किया जो रात 12 बजे तक प्रभु इच्छा से चलता रहेगा! संस्थापक ट्रस्टी डॉ राजेश शुक्ला ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यूपी में जल्द जारी होगी 'ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी, योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत प्रदेश में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा

उत्पादन स्रोतों को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन नीति लागू करने के निर्देश दिए हैं। ड्राफ्ट पॉलिसी का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पॉलिसी को अंतिम रूप देने से पूर्व इस क्षेत्र में काम करने वाले स्टेक होल्डर से भी परामर्श लिए जाएं, ताकि निवेशकों और उपयोगकर्ताओं को इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने एक बैठक में मसौदा नीति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि 'ग्रीन हाइड्रोजन नीति को अंतिम रूप देने से पहले इस क्षेत्र में काम करने वाले हितधारकों से परामर्श किया जाना चाहिए ताकि निवेशकों और उपयोगकर्ताओं को इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि 'ग्रीन हाइड्रोजन एक स्वच्छ ऊर्जा होने के कारण नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करती है और इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।'ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में कार्य करने वाली कंपनियों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिये गए। इकाइयां स्थापित करने वाली कंपनियों को भूमि की उपलब्धता, स्टांप शुल्क और बिजली शुल्क से छूट, पूंजी और ब्याज सब्सिडी, आकर्षक प्रोत्साहन जैसे लाभ दिये जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नीति को अंतिम रूप देने से पहले विभिन्न राज्यों की संबंधित नीतियों का अध्ययन करने का निर्देश दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित अधिकारियों को बहुमंजिला इमारतों में लगी लिफ्ट स्वचालित सीढ़ियों (एस्कलेटर) की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक कानून बनाने का निर्देश दिया। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में कहा कि वर्तमान में तेजी से शहरीकरण और बहुमंजिला इमारतों के प्रसार के कारण लिफ्ट और एस्केलेटर का उपयोग बढ़ रहा है। भीड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित लिफ्ट और एस्केलेटर के बारे में उनके डिजाइन, स्थापना के साथ–साथ अनुचित संचालन और रखरखाव के बारे में अक्सर शिकायतें मिलती हैं।

सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल के घर चोरी,चार लाख के जेवरात सहित पिस्टल उठा ले गए चोर

लखनऊ,(यूएनएस)। राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए हजारों रूपये की नकदी समेत लाखों रुपए के जेवरात चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी पीड़ित परिवार को घर वापस लौटने पर हुई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर डॉग स्क्वायड सहित फॉरेंसिक टीम को बुलाकर छानबीन कर रही हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, धर्मपाल रावत अपने परिवार संग दरोगा खेड़ा के पास आउटर रिंग रोड के किनारे रहते हैं। धर्मपाल सीआरपीएफ में हेड कांस्टेबल के पोस्ट पर कार्यरत हैं ।वह परिवार के साथ बीती रविवार दोपहर करीब एक बजे अपने साले के घर कासिम खेड़ा में मकान की छत की ढलाई का काम हो रहा था। वहीं पर परिवार संग गए थे। सोमवार सुबह करीब दस बजे घर वापस लौटने पर देखा कि घर में चोरी हो गई हैं। कमरों व अलमारी का ताला टूटा पड़ा था ,सारा सामान अस्त– व्यस्त पड़ा था। परिजनों से सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर मौके पर डॉग स्क्वायड सहित फॉरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए है। धर्मपाल के मुताबिक,चोर घर में रखे करीब तीन से चार लाख रुपए के जेवरात और नगदी सहित लाइसेंसी पिस्टल भी उठा ले गए हैं। चोरी की सूचना पर एसीपी कृष्णानगर विनय कुमार द्विवेदी ने जांच पड़ताल कर चोरों को पकड़ने के लिए टीमों को लगाया हैं। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर शैलेंद्र गिरी ने बताया कि पीड़ित परिवार तहरीर दे रहा है,मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही हैं।

पहाड़ों पर बर्फबारी ने बढ़ाई कंपकंपी, यूपी में कड़ाके की सर्दी के साथ घने कोहरा की चेतावनी

लखनऊ,(यूएनएस)। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। घने कोहरे और शीतलहर का कहर जारी है। उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। वहीं, यूपी के मौसम के मिजाज में सोमवार को तेजी से बदलाव आया है। मंगलवार सुबह शहर घने कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया। कोहरे की वजह से दृश्यता प्रभावित होने से हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थम गई। वाहन चालकों को लाइट और इंडिकेटर जलाकर चलना पड़ा। शहर में सोमवार देर रात से ही कोहरा पड़ना शुरू हो गया था। मंगलवार सुबह कोहरा और घना होता चला गया। खुले क्षेत्रों के साथ ही आबादी क्षेत्र में भी इसका असर नजर आया। इससे दिनचर्या तो प्रभावित हुई ही, कोहरे ने वाहनों की रफ्तार पर लगाम लगा दी। दृश्यता 10 से 15 मीटर रहने से हाईवे पर वाहन रेंगते हुए नजर आए। वहीं मेरठ में भी कोहरा ने परेशान किया। कानपुर में सर्दी असर दिखा रही है। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में घना कोहरा रहा। जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार 31 दिसंबर तक सुबह और शाम कोहरा लोगों को परेशान करेगा। इस साल जिस तरीके से कड़ाके की ठंड पड़नी चाहिए। वह अभी तक शुरू नहीं हुई है।मौसम विज्ञानी डा. दानिश ने बताया कि आगामी तीन से चार दिन घना कोहरा रहेगा। दृश्यता पांच से दस मीटर तक रहेगी। पहाड़ों में हो रही बर्फबारी का असर भी दिखेगा। ठंड बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि बरसात के आसार कम हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार दिसंबर के आखिरी सप्ताह में होने वाली सर्दी से इस बार राहत मिलने वाली है। कड़ाके की सर्दी अब नए साल में ही सताएगी।

सम्पादकीय

यूपी कांग्रेस को मजबूत करने के लिए हर स्तर पर हो रहे हैं सकारात्मक प्रयास

देश के सबसे बड़े राज्य में यूपी जोड़ो यात्रा को जो अपार जनसमर्थन मिल रहा है, उससे ऐसा नहीं प्रतीत हो रहा है कि यूपी में कांग्रेस पिछले 34 सालों से सत्ता से बाहर है। गठबंधन की राजनीति से उसकी कमर टूट चुकी है, जिसके चलते वह केंद्र में भी मजबूती से नहीं जम पा रही है। बदलते दौर में यूपी कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए हर स्तर पर सकारात्मक प्रयास हो रहे हैं, जिसके सुखद परिणाम जल्द ही सामने आएंगे।

कहना न होगा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव की सूबाई गठबंधन नीति से यूपी समेत हिंदी पट्टी के जमे–जमाये नेताओं ने पार्टी के कार्यक्रमों से जो किनारा करना शुरू किया, उसमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के दस वर्षीय कार्यकाल को यदि छोड़ दिया जाए तो पुराना सिलसिला अब जाकर थमने के आसार प्रबल हुए हैं। वहीं, यूपी में कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को एड़ी–चोटी एक करनी होगी। वजह स्पष्ट है कि यदि कांग्रेस को प्रदेश में मजबूत बनाना है तो हमें राष्ट्रीय नीति के साथ–साथ क्षेत्रीय नीति और स्थानीय नेता विकसित करके उनमें तारतम्य बिठाने की समुचित पहल करनी होगी। वहीं, विभिन्न कार्यक्रमों के सहारे लगातार उनकी मॉनिटरिंग भी करनी होगी। खास बात यह कि हमें राजनीतिक प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने में नए–पुराने के तफरके में संतुलन बिठाना होगा। साथ ही नेतृत्वगत अधिकारों का विकेंद्रीकरण करना होगा और चरणबद्ध रूप से जिम्मेदारी तय करनी होगी, ताकि पार्टी संगठन में जान फूंकी जा सके।

ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूं कि गत दिनों लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों की समीक्षा बैठक में हमारे नेता राहुल गांधी यूपी कांग्रेस के नेताओं से नाखुश दिखे। जैसी की मीडिया रिपोर्ट आई है। बताया गया है कि यूपी में पार्टी के अंदर उत्साहित नेताओं की कमी है। यूपी कांग्रेस के नेता केंद्रीय नेतृत्व के भरोसे रहना चाहते हैं, जिसकी वजह से ना तो वहां पार्टी खड़ी हो पा रही है और ना ही जीत मिल रही है, जबकि तेलंगाना के नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व के सहयोग से पार्टी खड़ी कर ली और चुनाव भी जीत लिया। वहां चार नेता ऐसे थे जो सीएम बनना चाहते थे, इसलिए सबने मेहनत की और सबकी मेहनत से पार्टी जीती। वहीं, यूपी में ऐसे तीन नेता नहीं हैं जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते हों और उसे पूरा करने के लिए कुछ कर गुजरने का माद्दा रखते हों। ऐसे में सीधा सवाल है कि जब प्रदेश में पार्टी अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है और अपने नए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में एक नई टीम बनाकर आगे बढ़ रही है। तो फिर हमें पिछले 34 साल की उपलब्धियों–अनुपलब्धियों पर भी एक सरसरी नजर डाल लेनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यूपी में अपने सबसे खराब दौर में भी पार्टी ने कई प्रयोग किए। अकेले चुनाव भी लड़ी और गठबंधन का साथ भी लिया। लेकिन कोई बड़ा कारनामा नहीं कर सकी, आखिर ऐसा क्यों? यह यक्ष प्रश्न है।

बहरहाल, लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने नए अध्यक्ष अजय राय के हाथ में कमान सौंपने के बाद यूपी जोड़ो यात्रा का आगाज कर चुकी है। वह अपनी नई टीम के साथ इस बात के लिए प्रतिबद्ध दिख रहे हैं कि अब कांग्रेस जुल्म और ज्यादती के खिलाफ सड़कों पर दिखेगी। साल 2024 में यह चुनौती उन्हें अपने अक्रामक तेवरों के साथ पूरी करनी होगी। क्योंकि वह अपने आक्रामक अंदाज के लिए पहचाने जाते हैं। हालांकि यह सवाल अलग है कि क्या प्रदेश की नई लीडरशिप कांग्रेस के लिए कोई करिश्मा कर पाएगी? खासतौर से ऐसे समय जब देश–प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है।

एक अन्य टिप्पणी पर गौर करें तो पता चला है कि पार्टी का हर सदस्य चाहता है कि गांधी परिवार के सदस्य यूपी में पार्टी के अभियान का नेतृत्व करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि आगामी लोकसभा चुनाव में वे राज्य में कितने सक्रिय होंगे। यह ठीक है कि मुसलमान इस चुनाव में कांग्रेस की ओर देख रहे हैं, लेकिन पार्टी को मजबूत सीटों पर मजबूत उम्मीदवारों को सुनिश्चित करना होगा और उन सीटों को अपने गठबंधन में सपा से लाना होगा। जबकि कुछ लोगों ने सोचा कि वे बसपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं, जबकि बसपा के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। इस दौरान कई अलग–अलग मुद्दे सामने आए, लेकिन सभी की राय थी कि पार्टी को कड़ी सौदेबाजी करनी चाहिए और न केवल सम्मानजनक हिस्सेदारी बल्कि मजबूत सीटें भी हासिल करनी चाहिए।

हालांकि इस हालात को बदलने के लिए कांग्रेस ने प्रदेश की लीडरशिप में भी कई बदलाव किए। अमूमन 34 साल में 17 प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए, जो हर क्षेत्र, जाति, वर्ग और संप्रदाय के साथ ही प्रदेश के अलग–अलग इलाकों से भी लिए गए। देखा जाए तो वरिष्ठ नेताओं से लेकर जमीनी कार्यकर्ता स्तर तक के नेता को ये बड़ी जिम्मेदारी दी गई, लेकिन हालात जस के तस बने रहे, कुछ अपवादों को छोड़कर। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी तक को भी बतौर प्रभारी सूबे में उतरना पड़ा। उनके नेतृत्व में ही अब जाकर किसी चमत्कार की उम्मीद जगी है।

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले आखिर, नई लीडरशिप के पीछे कांग्रेस की क्या मंशा है और उनकी टीम से क्या उम्मीदें हैं? क्योंकि वरिष्ठ नेताओं को भरोसा है कि लगातार 10 साल तक सत्ता में रहने के बाद देश में भाजपा के खिलाफ जो माहौल बन रहा है, उसका फायदा कांग्रेस को ही मिलेगा। क्योंकि राहुल गांधी लगातार जनता के बीच रहकर देश में माहौल बना रहे हैं। इसलिए अब जरूरत है कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में सुस्त पड़ी कांग्रेस में जान फूंकी जाए। इसकी सकारात्मक शुरुआत भी यूपी जोड़ो यात्रा से हो चुकी है। कहना न होगा कि यह काम यहां आक्रामक तेवरों के साथ ही हो सकता है, जैसा कि हमने टीबी डिबेट्स में कड़ा रुख अपनाया है। इसी तरह से राष्ट्रीय और प्रदेश दोनों स्तर पर जब काम होगा, तभी यहां से कुछ हासिल हो सकता है, अन्यथा नहीं।

हमें यह याद रखना चाहिए कि कांग्रेस ही एक ऐसी राष्ट्रीय पार्टी है, जो सबको साथ लेकर चल सकती है। यह महसूस किया जाता है कि जब तक वह केंद्र में अच्छी स्थिति में नहीं आएगी, तब तक प्रदेश में हुए बदलावों से बहुत कुछ फर्क नहीं पड़ने वाला। इस लिहाज से भी मिशन 2024 महत्वपूर्ण है। यदि आप 2009 का ही उदाहरण लें तो उससे पहले 2004 में कांग्रेस केंद्र की सत्ता में यूपीए गठबंधन बनाकर लौट आई थी। इसके अगले लोकसभा चुनाव 2009 में यूपी में 21 सीटों पर पहुंच गई। एक और उपचुनाव जीतकर सीटों की संख्या 22 हो गई थी। हालांकि केंद्र की सत्ता के जाते ही यह फिर ढलान की ओर बढ़ती गई। इसलिए, यूपी में इस बार भी राह आसान नहीं है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था और उसे सिर्फ दो सीट पर जीत मिली थी। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव से पहले यूपी कांग्रेस ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी ने 80 लोकसभा सीटों को तीन श्रेणियां में बांटा है। पहली और दूसरी श्रेणी मे 30– 30 सीट तथा तीसरी श्रेणी में 20 सीटें रखी गई। इसमें पहले 30 सीटें वह सीटें हैं जहां कांग्रेस पिछले 20 सालों में मजबूत रही है। यूपी कांग्रेस की दिसम्बर के तीसरे सप्ताह में दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व के साथ हुई बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति पर मंथन हुई, जिसमें यूपी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने अपने 4 महीने के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड भी दिया।

पार्टी मुख्यालय में हुई इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी, राजीव शुक्ला, सलमान खुर्शीद, विधायक आराधना मिश्रा मोना, विधायक वीरेंद्र चौधरी, महामंत्री संगठन अनिल यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी, अजय कुमार लल्लू, राजेश मिश्रा, डॉ निर्मल खत्री सहित 41 लोगों को आमंत्रित किया गया था।

पनामा में पर्यावरण के लिए प्रतिरोध

मध्य अमेरिकी देश पनामा की खुले गड्ढ़े वाली तांबे की खदान के खिलाफ जनता के विरोध प्रदर्शन ने पनामा को एक महीने से अधिक समय से घेराबंदी की स्थिति में रखा है। सड़क पर खड़े किये गये अवरोधों के कारण गैस और प्रोपेन ईंधन की कमी हो गई है। कई सुपर मार्केट की अलमारियां खाली हैं और रेस्टोरेंट, होटल सूने हैं, लेकिन 28 नवम्बर 2023 को पनामा में प्रदर्शनकारियों को खबर मिली कि सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है कि व्यापक पर्यावरण विरोध का केंद्र बिंदु रही कनाडाई तांबे की खदान, श्कोबरे पनामाश के लिए 20 साल की रियायत असंवैधानिक है। यह भी पता चला कि पनामा के राष्ट्रपति ने कहा है कि खदान को बंद करने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू होगी।खबर सुनते ही लोग सड़कों पर निकल आये। प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के सामने सड़क पर डांस किया। उन्होंने लाल, सफेद और नीला पनामा का झंडा लहराया और राष्ट्रगान गाया। एक प्रदर्शनकारी रायसा बानफील्ड ने कहा–यही वह चीज है जिसका हम इंतजार कर रहे थे। कनाडा के फर्स्ट क्वांटम मिनरल्स की स्थानीय सहायक कंपनी श्मिनेरा पनामा, जो पनामा में खदान का संचालन करती है, ने एक बयान में कहा कि कोबरे पनामा अदालत के फैसले को स्वीकार करता है।कोबरे पनामा के नाम से जानी जाने वाली यह खदान 2019 से उत्पादन कर रही थी और प्रति वर्ष 300,000 टन तांबा निकाल रही थी। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग पांच प्रतिशत और पनामा के निर्यात का 75 प्रतिशत है। खनन क्षेत्र पनामा के श्जीडीपीश में लगभग सात प्रतिशत का योगदान देता है, जिसमें कोबरे पनामा सबसे महत्वपूर्ण खदान रही है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कोबरे पनामा देश के पर्यावरण के लिए एक आपदा है, इससे जंगली तटीय क्षेत्र को नुकसान होगा और विशेष रूप से जल–आपूर्ति को खतरा होगा। यह एक विदेशी निगम को दिया गया तोहफा है, जिसे जनता ने देश की संप्रभुता पर हमला करार दिया है। संप्रभुता का यह प्रश्न पनामावासियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि उन्होंने पनामा नहर क्षेत्र को अमेरिका के नियंत्रण से छुटकारा दिलाने के लिए 20वीं सदी में एक लम्बी लड़ाई लड़ी थी। इसी ओपन–पिट खदान को पिछले साल अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था, जब सरकार और श्फर्स्ट क्वांटमश के बीच सरकार द्वारा वांछित भुगतान पर बातचीत टूट गई थी। मार्च 2023 में पनामा की विधायिका श्फर्स्ट क्वांटमश के साथ एक समझौते पर पहुंची, जिससे श्मिनेरा पनामाश को कम–से–कम 20 और वर्षों तक विशाल तांबे की खदान का संचालन जारी रखने की अनुमति मिल गई। इसे 20 अक्टूबर 2023 को कांग्रेस के माध्यम से तेजी से आगे बढ़ाया गया। पनामा के राष्ट्रपति कॉर्टिजो ने कुछ घंटों में ही इस पर हस्ताक्षर कर अनुबंध को अंतिम मंजूरी दे दी, जिससे सहायक कंपनी को अगले 20 वर्षों के लिए राजधानी के पश्चिम में अटलांटिक तट पर एक जैव–विविधता वाले जंगल में खदान का संचालन जारी रखने की अनुमति मिल गई। राष्ट्रपति और उनके मंत्रिमंडल ने नए अनुबंध की सराहना करते हुए कहा था कि इससे राज्य और पनामा की जनता को अप्रत्याशित लाभ होगा। देश की जनता और पर्यावरण कार्यकर्ताओं को राष्ट्रपति, उनका मंत्रिमंडल और कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी इस अनुबंध से सहमत और संतुष्ट नहीं कर पाए। खदान पर विवाद के कारण हाल के वर्षों में पनामा में सबसे व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें खदान के बिजली संयंत्र की नाकाबंदी भी शामिल थी। प्रदर्शनकारियों ने पैन–अमेरिकन राजमार्ग के कुछ हिस्सों को भी अवरुद्ध कर दिया था। मिनेरा पनामा ने इस महीने की शुरुआत में एक बयान में कहा था कि प्रदर्शनकारियों की छोटी नौकाओं ने कोलन प्रांत में उसके बंदरगाह को अवरुद्ध कर दिया था, जिससे खदान तक किसी भी प्रकार की आपूर्ति नहीं पहुंच पा रही थी। नौसेना पुलिस ने बताया कि कोयला ले जा रहे एक जहाज ने श्प्रदर्शनकारियों के एक समूह के तीव्र विरोध के कारण वापस लौटने का फैसला किया। विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद, सरकार ने एक प्रस्ताव पारित कर दिया था जो अनुबंध को रद्द कर देता, लेकिन 2 नवंबर 2023 को नेशनल असेंबली में एक बहस में वह पीछे हट गई। अल–जजीरा अखबार में माइकल फॉक्स के अनुसार, यह फैसला निवेशकों और देश की दीर्घकालिक क्रेडिट रेटिंग के लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन फिलहाल पनामा के लिए राहत का एक स्रोत है, जो दशकों में देश को परेशान करने वाले सबसे बड़े विरोध आंदोलन से हिल गया है। विश्लेषकों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन और फैसले का पनामा में कारोबार करने की इच्छुक विदेशी कंपनियों पर असर पड़ेगा। अदालत का यह फैसला और राष्ट्रपति की घोषणा खदान के कर्मचारियों के लिए भी झटका है। खदान में लगभग 6,600 लोग कार्यरत हैं– जिनमें से 86 प्रतिशत पनामा के हैं। इस सबके बाबजूद माइकल फॉक्स के अनुसार, पनामा के अधिकांश लोगों के लिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला एक स्वागत योग्य संकेत है और देश सामान्य स्थिति की राह पर है। पनामा के इंटरनेशनल सेंटर ऑफ सोशल एंड पॉलिटिकल स्टडीज के निदेशक हैरी ब्राउन अराउज ने श्अल–जजीराश को बताया कि श्हम एक नए चरण में हैं। जैसा कि हमने अब तक देखा है, विरोध प्रदर्शन रुक गये हैं, कई बाधाएं दूर हो गई हैं, कई हफ्तों से खाली पड़े राजमार्ग अब खुल गए हैं और गैस स्टेशनों का कारोबार फिर से शुरू हो गया है। वहीं सरकार ने कहा है कि वह व्यवस्थित तरीके से खदान को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। इससे आबादी में आत्मविश्वास पैदा हो सकता है, जो खो गया था।

2023 के पार, नये के आसार!

हैरानी की बात नहीं है कि साल के आखिर तक आते–आते भाजपा पूरी तरह से, आगामी आम चुनाव के लिए चुनावी मोड में आ चुकी है। इस लिहाज से संसद के शीतकालीन सत्र के असमय अंत के तुरंत बाद हुई भाजपा के केंद्रीय तथा राज्य स्तरीय शीर्ष पदाधिकारियों की दो दिनी बैठक से दिए गए संकेतों में वैसे तो कुछ भी अप्रत्याशित नहीं है। फिर भी, ये संकेत से तीन–चार महीनों में ही होने जा रहे आम चुनाव के लिए, सत्ताधारी पार्टी की आने वाले दिनों की प्रमुख पहलों और कार्यनीतियों को तो उजागर करते ही हैं। यह दूसरी बात है कि इन कार्यनीतियों में, बढ़–चढ़कर दावे करने और इसके सहारे, मीडिया पर अपने लगभग मुकम्मल नियंत्रण के जरिए, अपने अपराजेय होने की छवि को पुख्ता करने की कार्यनीतियां भी शामिल हैं। इस बैठक से कम से कम दो ऐसे बढ़े–चढ़े दावे निकले हैं, जिनका आने वाले दिनों में काफी ढोल पीटा जाना तय है। इनमें पहला है, यह दावा कि भाजपा, 2024 के आम चुनाव में अपने वोट में 10 फीसद बढ़ोतरी करने और 50 फीसद से ज्यादा वोट हासिल करने के लिए काम करने जा रही है। बूथ–आधार को और पुख्ता करने तथा जातिगत समीकरणों को और मजबूती से साधने को व लाभार्थियों को पूरी तरह अपने पाले में करने को, इसका मुख्य उपाय बताया गया है। दूसरा, दावा यह है कि भाजपा इस बार लोकसभा की उन 160 सीटों पर भी जोरदार प्रदर्शन करने की तैयारी करने जा रही है, जिन पर 2019 के आम चुनाव में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। संभवतः इन दोनों ही दावों तथा खासतौर पर बाद वाले दावे का विस्तार, संघ–भाजपा के बीच से उछाले जाने शुरू हो गए, श्अब की बार, चार सौ पारश के नारे में देखा जा सकता है। बाकायदा यह नारा उछाले जाने की शुरूआत, पर्यावरण संबंधी विश्व सम्मेलन, कार्प–28 के सिलसिले में प्रधानमंत्री मोदी की यूएई की यात्रा के दौरान हुई थी, जब उनके स्वागत के लिए जुटे अनिवासी भारतीयों के मुंह से संभवतरू पहली बार, यह नारा बाकायदा सुनने को मिला था। उसके बाद से, खुद प्रधानमंत्री मोदी भी इस तरह के नारों को इशारों में आगे बढ़ाते रहे हैं। संसद के हाल ही के सत्र के दौरान, सरकार का विरोध करने वाली पार्टियों के सांसदों के थोक के हिसाब से अभूतपूर्व निलंबनों के बीच, सत्ताधारी भाजपा के संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री ने, अगली बार बैठक के हाल की खाली सीटें भी भर जाने की बात कहकर, इसी तरह के नारों की ओर इशारा किया था। हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी उक्त दावा करते हुए, यह कहकर विपक्षी सांसदों के निलंबनों को सही ठहराने की ही कोशिश कर रहे थे कि आने वाले चुनाव में जनता, विपक्ष की सीटें और कम कर के और भाजपा की सीटें और बढ़ाकर, विपक्ष को सजा देगी। कहने की जरूरत नहीं है कि इस तरह के बढ़े–चढ़े दावे करने के जरिए, अपनी अजेयता की छवि बनाने की कोशिश करने के लिए, जान–बूझकर बहुत बढ़ा–चढ़ाकर अपनी संभावनाओं को दिखाने में संघ–भाजपा को कोई हिचक नहीं होती है। मिसाल के तौर पर यह मानना मुश्किल है कि हाल के ही विधानसभाई चुनावों में तेलंगाना में, जहां भाजपा के हिस्से में कुल आठ सीटें आई हैं, भाजपा जब अपनी सरकार बनाने के दावे कर रही थी और राज्य को पहली बार अन्य पिछड़ा वर्ग का मुख्यमंत्री देने के दावे कर रही थी, तब संघ–भाजपा को इसका अंदाजा ही नहीं था कि वे मुख्य चुनावी मुकाबले से बाहर, काफी पीछे तीसरे स्थान पर रहेंगे। अमित शाह समेत भाजपा के शीर्ष नेतागण, निस्संकोच इस तरह के बेतुके दावे करने पर, यह कहकर सफाई देते रहे हैं चुनाव में तो हर कोई यही कहता है कि हम जीत रहे हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि 2024 में 50 फीसद से ज्यादा वोट लेकर, 2019 के सीटों के अपने 303 के आंकड़े में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करने के भाजपा के दावों को, बहुत गंभीरता से शायद ही कोई ले सकता है। याद रहे कि 2019 में अपनी झाड़ूमार जीत के बावजूद, भाजपा कुल 37.4 फीसद वोट ही हासिल कर पाई थी। अपने सहयोगी दलों को मिलाकर भी उसके नेतृत्व वाले एनडीए को, कुल 45 फीसद वोट ही मिल पाए थे। इसके बावजूद, सत्ताधारी पार्टी और उसके गठजोड़ की चुनावी कामयाबी, उसकी अपनी बढ़त से ज्यादा, विपक्ष के वोटों के बिखराव का ही नतीजा थी। बेशक, पुलवामा की घटना और बालाकोट की कार्रवाई की पृष्ठङ्भूमि में, प्रच्छन्न रूप से युद्घ जैसा वातावरण बनाने और उसके सहारे राष्टङ्वादी भावनाओं को भुनाने के जरिए, भाजपा और उसके सहयोगी, 2019 में न सिर्फ चुनाव जीतने में बल्कि अपना वोट बढ़ाने में भी कामयाब रहे थे। फिर भी, इस राष्टङ्वादी हवा की सबसे बड़ी लाभार्थी बनी भाजपा का वोट, 2014 के 31.1 फीसद से उल्लेखनीय रूप से बढ़ा जरूर था, लेकिन 37.4 फीसद तक ही पहुंच पाया था। वैसी हवा के बिना अकेले भाजपा को तो छोड़ ही दें, उसके गठजोड़ का भी 50 फीसद वोट का आंकड़ा छूना दिवा स्वप्न ही लगता है।

इसकी मुख्य वजहें दो हैं। पहली तो यही कि भाजपा से जनता के बढ़ते मोहभंग और उसके खिलाफ बढ़ते पैमाने पर सामने आते असंतोष, विशेष रूप से बेरोजगारी तथा महंगाई के मुद्दों पर युवाओं के तथा आम लोगों के असंतोष के चलते, भाजपा के लिए पिछले आम चुनाव का 37.4 फीसद का आंकड़ा बनाए रखना भी बहुत मुश्किल होने जा रहा है, फिर इसमें किसी उल्लेखनीय बढ़ोतरी का तो सवाल ही कहां उठता है। दूसरे, 2019 और 2024 के चुनावों के बीच, भाजपा के नेतृत्व वाले गठजोड़ की शक्ल पूरी तरह से बदल चुकी है। बिहार, पंजाब, महाराष्टङ्र और तमिलनाडु, चार ऐसे बड़े राज्य हैं, जहां अपने गठजोड़ के समीकरणों में अपने भारी प्रतिकूल उलट–फेर के चलते, भाजपा को 2019 के मुकाबले, सीटों और वोट दोनों में ही उल्लेखनीय घाटे का सामना करना पड़ सकता है। भाजपा इन सच्चाइयों को बखूबी पहचानती है। लेकिन, इसलिए भी वह 50 फीसद से ज्यादा वोट हासिल करने जैसे अतिरंजित दावों के जरिए, और भी जोर–शोर से अपने जीत के प्रति आश्वस्त होने की झूठी धारणा बनाने कोशिश कर रही है। भाजपा को इस झूठी धारणा की जरूरत इसलिए और भी ज्यादा है क्योंकि उसे बखूबी पता है कि 2024 का चुनाव, 2019 के चुनाव से काफी भिन्न होगा। उसके प्रति रुख के लिहाज से, 2024 के चुनाव का मतदाता तो 2019 के चुनाव के मतदाता से काफी भिन्न होगा ही, इसके अलावा चुनाव में उसका मुकाबला जिस विपक्ष से होने जा रहा है, वह भी 2019 के उसके विपक्ष के मुकाबले बहुत भिन्न होगा। यहीं इंडिया गठबंधन का गठन और उसका मैदान में उतरना बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाता है। यह गठबंधन बेशक, भाजपा के गठजोड़ के मुकाबले विपक्ष के वोटों की ज्यादा से ज्यादा एकजुटता के जरिए, एक बड़ा गणित खड़ा करने जा रहा है। यह गणित किसी न किसी हद तक इस सीधी सी सच्चाई को ही प्रतिबिंबित कर रहा होगा कि 2019 के चुनाव में भी, 55 फीसद वोट भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ, उन्हें ठुकराते हुए ही पड़ा था। इस गणितीय सच्चाई से आगे, इंडिया गठबंधन आगे–आगे विपक्ष की एकता के रसायन को भी सामने लाएगा, जो वर्तमान मोदी राज से गरीब–मेहनतकशों के बढ़ते असंतोष को, विकल्प की दिशा देगा। बेशक, इस रूप में विकल्प अभी सिर्फ एक संभावना है, जिसके लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, लेकिन यह एक बहुत ही वास्तविक संभावना है। विकल्प की इस संभावना के सामने इस माने में एक भारी चुनौती है कि संघ–भाजपा ने, मोदी राज के दस साल में हिंदुत्ववादी सांप्रदायिकता पर टिके अपने मूलाधार को बहुत मजबूत कर लिया है। इस मूलाधार के गिर्द तरह–तरह की लाभार्थी योजनाओं, आश्वासनों, उम्मीदों तथा भ्रमों के सहारे, जो समर्थन संघ–भाजपा जुटाने में अब तक कामयाब रहे थे, उसका बड़ा हिस्सा अगर उनसे दूर छिटक भी जाए, तब भी उनका यह समर्थक मूलाधार अपनी जगह रहेगा। और इसका आकार भी अब काफी बढ़ चुका है। अपने इस हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक आधार को लगातार पुख्ता करने तथा उसका विस्तार करने की कोशिश में संघ–भाजपा, लगातार जिस तरह सांप्रदायिक मंतव्यों को भुनाने में सक्रिय रहते हैं, वैसे ही एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे के तौर पर भाजपा के शीर्ष नेताओं की हाल की बैठक ने, अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे राम मंदिर के प्राणप्रतिष्ठङ्ग आयोजन की पहचान की है। यह कहना शायद गलत नहीं होगा कि संघ–भाजपा, इस प्रकरण से उठने वाली हिंदुत्ववादी लहर को ही, 2024 का पुलवामा–बालाकोट बनाने की उम्मीद लगाए हैं। मंदिर प्राणप्रतिष्ठङ्ग समारोह के केंद्र में नरेंद्र मोदी को बैठाने के जरिए, न सिर्फ जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे के नारों को चलाने की कोशिश की जा रही है बल्कि इस आयोजन के सिलसिले में 10 करोड़ लोगों तक पहुंचने की बाकायदा योजना भी तैयार की गयी है। खुद प्रधानमंत्री मोदी, इसी महीने के आखिर में, 30 दिसंबर को अयोध्या में रैली कर, विधिवत इस अभियान की शुरूआत करना भी तय कर चुके हैं। ऐसे में, इंडिया गठबंधन के सामने इसकी गंभीर चुनौती होगी कि संघ–भाजपा को, राम मंदिर को एक और पुलवामा–बालाकोट बनाकर भुनाने से रोके। वह इसे गरीबों–मेहनतकशों के रोजी–रोटी के वास्तविक मुद्दों को बहस के केंद्र में बनाए रखकर ही रोक सकता है। सिर्फ 2024 के चुनाव का ही नहीं बल्कि धर्मनिरपेक्ष, जनतांत्रिक भारत का भविष्य भी, इसी मुकाबले में तय होना है।

काशी है टूरिस्ट का सबसे बड़ा हब

अगर कोई यह मानता है कि सबसे अधिक टुरिस्ट समुद्र के किनारे के 'बीच' में या फिर आकाश को छूते पहाड़ों में आते हैं तो उन्हें एक बार फिर सोचना होगा। मतलब यह है कि ना तो सबसे अधिक टुरिस्ट गोवा आ रहे हैं या फिर शिमला, नैनीताल या किसी अन्य हिल स्टेशन पर। सबसे ज्यादा टूरिस्ट को अपनी तरफ आकर्षित करने लगा है वाराणसी। आईसीआईसीआई के एक सर्वे से पता चला है कि पिछले साल–2022 में वाराणसी में 7.02 करोड़ टूरिस्ट पहुंचे। गोवा के हिस्से में लगभग 85 लाख टूरिस्ट। यूं तो वाराणसी में लगातार खूब टूरिस्ट आते थे, पर 2015 के बाद तो स्थिति वाराणसी के पक्ष में पूरी तरह से हो गई। इस लिहाज से गेम चेंजर साबित हुआ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे (अब स्मृति शेष) का धर्म नगरी वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में 2015 में भाग लेना। गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, हमारी संस्कृति की वाहक भी है। इस लिहाज से जापान के प्रधानमंत्री के स्वागत में काशी में गंगा आरती का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौलिक और व्यापक सोच का परिचय देने वाला था। गंगा आरती महज पूजाविधि नहीं है। मोदी–आबे ने गंगा आरती में भाग लेकर दुनिया में भारत की खोई हुई या यूं कहें कि तिरस्कृत हो चुके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ने अपनी जगह बनाई थी। बीते 60 सालों की राजनैतिक सत्ता ने इस छवि को नजरअंदाज कर एक उपभोगी देश की छवि के रूप में भारत को दुनिया के सामने पेश किया था, संस्कृति के नाम पर ताज के मकबरे को ही खूब भुनाया गया लेकिन, गंगा की ''ब्रांडिंग'' तो सही माने में भारत के लिए आत्मगौरव का क्षण था। टूरिस्ट क्षेत्र के जानकार कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और आबे के गंगा आरती में भाग लेने के बाद सारे देश में वाराणसी को लेकर एक नई तरह की सकारात्मक सोच विकसित होने लगी। इसी का नतीजा है कि वाराणसी में देश–दुनिया के टुरिस्ट पहले से कहीं अधिक संख्या में पहुंचने लगे हैं। काशी का गोवा को पीछे छोड़ना सामान्य बात नहीं है। आमतौर पर तो यही माना जाता था कि गोवा से ज्यादा टूरिस्ट कहीं जा ही नहीं सकते। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि यह कॉरिडोर सिर्फ एक भव्य इमारत नहीं है बल्कि यह हमारी आध्यात्मिक, परंपरा और गतिशीलता का प्रतीक है। यही नहीं यह काशी की आर्थिक समृद्धि मंल नए चौप्टर को जोड़ने का काम करेगा। अगर उन्होंने यह बात कही थी तो आंकड़े उसे प्रमाणित भी कर रहे हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के दौरान पुनर्वास का मुद्दा भी उठा था। विपक्ष लगातार इस बात को उठा रहा था कि आम लोगों को उजाड़ा जा रहा है लेकिन जिन 300 संपत्तियों का अधिग्रहण किया गया था उससे जुड़े लोगों का पुनर्वास हो चुका है। काशी में श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के अलावा पर्यटकों की सुविधा का भी खास ख्याल रखा जाता है। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। काशी पूरे देश में उत्तर प्रदेश डॉमेस्टिक टूरिज्म का हब बन गया है। इसके साथ ही काशी की यात्रा करने वाला हरेक शख्स सारनाथ तो जाता ही है। भगवान बुद्ध ने बोध प्राप्त करने के पश्चात पहला प्रवचन यहां ही दिया था। उन्होंने जिधर प्रवचन दिया था वहां पर धामेक स्तूप है। इस स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक ने 500 ईसवी में करवाया था। हालांकि कोविड के कारण बुद्ध धर्म को मानने वाले देशों से काशी में उड़ानें नहीं आ रही हैं,पर अब श्रीलंका, थाईलैंड, साउथ कोरिया, जापान और शेष बुद्ध देश के नागरिक इधर आने लगे हैं। काशी से लेकर सारनाथ तक घूमते हुए रोज सैकड़ों विदेशी टूरिस्ट नजर आते हैं। जाहिर है इनमें ज्यादातर बुद्ध देशों के ही होते हैं। इस सारे क्षेत्र की देखरेख आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की तरफ से की जाती है। हम आमतौर पर सरकारी महकमों को उनकी काहिली के कारण कोसते हैं। लेकिन इस जगह को आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया बेहतरीन तरीके से मेनटेन कर रही है। बीते सावन के दिनों में काशी भर गया था टूरिस्टों से। आंकड़ों के मुताबिक सावन महीने में करीब 2.5 से 3 लाख पर्यटकों का रोजाना काशी में आगमन हुआ। कहना ना होगा कि बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने से काशी की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। स्थानीय लोगों को रोजगार के भी अवसर उपलब्ध हुए हैं। काशी आने वाले सबसे ज्यादा श्रद्धालु और पर्यटक काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन, वाराणसी के घाटों की गंगा आरती करने, नमो घाट और सारनाथ का भ्रमण करने के लिए पहुंचते हैं। वाराणसी में अनेक प्रकार के फेस्टिवल और सांस्कृतिक कार्यक्रम को भी समय–समय पर आयोजित किया जाता है। मुझे कुछ समय पहले मेरे ईस्ट अफ्रीकी देश केन्या के मित्र स्टीफन मुंगा कह रहे थे कि वे अपनी आगामी भारत यात्रा के समय काशी जाना चाहेंगे। मैंने उनकी काशी के प्रति दिलचस्पी की वजह पूछी तो कहने लगे कि भारत को समझने के लिए काशी को देखना जरूरी लगता है।

मालवीय जी ने आधुनिक शिक्षा को आगे बढ़ाने में अह्म भूमिका निभायी

लखनऊ। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने यहां कुर्सी रोड स्थित प्रान्तीय कार्यालय में पार्टी के संस्थापक सदस्य पण्डित मदन मोहन मालवीय की मनायी गयी

जयन्ती समारोह को सम्बोधित करते हुये कहा कि पण्डित मदन मोहन मालवीय ने आधुनिक शिक्षा को आगे बढ़ाने में अह्म भूमिका निभायी। जयन्ती समारोह में प्रदेश महामंत्री सिद्धार्थ दुबे, प्रदेश कोषाध्यक्ष,चंद्रमौली शुक्ला, प्रदेश प्रवक्ता बाबा महादेव, प्रदेश प्रचार मंत्री सुनील सिंह, बाराबंकी जिला अध्यक्ष शिवम वर्मा, जितेंद्र दुबे मीडिया प्रभारी लखनऊ, महिला जिला अध्यक्ष लखनऊ सरिता यादव, विधिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र श्रीवास्तव, प्रदेश विशेष सलाहकार प्रकाश श्रीवास्तव, शिवेंद्र प्रताप सिंह प्रदेश मंत्री सहित कई अन्य प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। इससे पहले जयन्ती समारोह का शुभारम्भ पण्डित मदन मोहन मालवीय के चित्र पर पुप एवं माल्यार्पण अर्पित कर किया गया। जयन्ती समारोह में अन्य मौजूद वक्ताओं ने पण्डित मदन मोहन मालवीय के जीवन पर प्रकाष डालते हुये कहा कि महामना के रूप में जाने जाने वाले मालवीय जी न सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे बल्कि एक शिक्षाविद् थे। जिसका परिणाम उनके द्वारा स्थापित हिन्दू विश्वविद्यालय आपके सामने है। बीएचयू के संस्थापक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय विश्वविद्यालय के तीसरे कुलपति थे। उन्होंने करीब 20 साल तक कुलपति के रूप में अपनी सेवा दी। इसके बाद उन्होंने सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन को कुलपति का पद संभालने की सिफारिश की। शुरुआत में तो वह नहीं माने लेकिन बाद में उन्होंने अपनी सहमति दी। इसके तुरंत बाद महामना ने अपना त्याग पत्र तत्कालीन विश्वविद्यालय के परिषद को भेज दिया।

वीर साहेबजादो की शहादत को समर्पित वीर बाल दिवस का आयोजन

लखनऊ, (यूएनएस)। धर्म एवं मानवता की रक्षा के लिए श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के वीर साहेबजादो की शहादत को समर्पित वीर बाल दिवस का आयोजन आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ के दर्शन शास्त्र विभाग एवं एनसीसी विंग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने की तथा संयोजन एवं संचालन मेजर डॉ मनमीत कौर सोढ़ी ने किया। कार्यक्रम का आरंभ देह शिवा वर मोह इहैं शुभ करमन ते कबहूं न टरौ से हुआ। तत्पश्चात् कैडेट सौम्या भंडारी ने पॉवर पॉइंट प्रस्तुतिकरण से गुरु गोबिंद सिंह जी एवं साहेबजादों की वीरगाथा को दर्शाते हुए गौरवमई इतिहास से परिचित करवाया। प्रो मंजुला उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि जब कभी भी देश की आन, बान और शान पर जान न्यौछावर करने का अवसर आया है सिक्खों ने हमेशा अपनी शूरवीरता का परचम लहराया है। आज आवश्यकता है अपनी निजी स्वार्थों को छोड़कर राष्ट्रहित की भावना से प्रेरित होकर देश की एकता, अखंडता के लिए दृढ़ संकल्पित होना। मेजर डा मनमीत कौर सोढ़ी ने संचालन करते हुए कहा कि–नन्ही सी उम्र में देखो क्या कमाल कर गए। धर्म की खातिर अपनी जान कुर्बान कर गए। 26 दिसंबर के दिन वीर साहेबजादों ने धर्म त्यागने के स्थान पर प्राप्त प्राण त्यागना स्वीकार किया और पूरी दुनिया को दिखा दिया कि सत्य की राह पर चलते हुए बलिदानी होने के लिए उम्र नहीं देशप्रेम और मानवता की रक्षा का भाव होना चाहिए प्कार्यक्रम में प्रो सृष्टि श्रीवास्तव, प्रो ऋचा शुक्ला, प्रो अमिता रानी सिंह, सुश्री हरदीप कौर समेत बड़ी संख्या में छात्राएं एवं एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।इस अवसर पर शहादत के इतिहास पर आधारित प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया जिसमें विजई छात्राओं को सम्मानित भी किया गया।

बीकेटी में घने कोहरे के चलते हादसे में तीन लोग हुए घायल

लखनऊ,। बख्शी का तालाब क्षेत्र में घने कोहरे के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग 24 लखनऊ सीतापुर रोड पर वाहनों की रफ्तार थमी। मंगलवार सुबह घने कोहरे में बीच सड़क पर

बच्चा आने पर उसे बचाने को लेकर दो स्कूटी आपस में भिड़ गई। वहीं तीन लोग घायल हुए। कृषि विशेषज्ञ के अनुसार फसलों को नुक्सान होने की सम्भावना जताई है। राजधानी लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्र बख्शी का तालाब इलाके में घने कोहरे की चादर से पूरा क्षेत्र ढका रहा। मंगलवार सुबह घने कोहरे के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग 24 लखनऊ सीतापुर रोड पर वाहनों की रफ्तार थम गई। क्षेत्र में भारी वाहनों और कारें रेगंती हुई नजर आई, जिसके चलते क्षेत्र के भैसामऊ रेलवे क्रासिंग पर वाहनों की लम्बी कतार लगी रही। जिसमें छात्रों को ले जा रहे निजी स्कूलों के वाहन भी फंसे रहे। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग 24 लखनऊ सीतापुर रोड पर स्थित क्षेत्र के नंदना गांव के पास बीच सड़क पर अचानक बच्चा आ जानें पर उसे बचाने के लिए दो स्कूटी संख्या यूपी 32 एन वाई 3505 और घ्यूपी 34 बी एस 8455 आपस में भिड़ गई। जिसमें तीन लोग घायल हुए जिन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। ग्रामीण क्षेत्र में घने कोहरे को लेकर चंद्रभान गुप्त कृषि महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डॉ सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि इस घने कोहरे से आलू और सरसों की फसल को भारी नुकसान होने की सम्भावना है । वहीं अन्य फसलें भी प्रभावित हो सकती हैं। क्षेत्र के बाना गांव निवासी सुशील कुमार रावत ने बताया कि घने कोहरे से गेहूं की फसल को लाभ मिलेगा । हां उसमें लगी सरसों की फसल को नुक्सान हो सकता है। चूंकि अभी इस मौसम में इतना कोहरा पहली बार पड़ा है यदि यही हाल रहा तो किसानों को भारी नुक्सान हो सकता है । घने कोहरे में बख्शी का तालाब रेलवे स्टेशन के सिग्नल भी नहीं दिखाई दे रहे थे।

एकेटीयू का दीक्षांत समारोह, राज्यपाल ने किया शुभांरभ,

49 हजार 452 को मिली उपाधि, 95 मेधावियों को मिले मेडल

लखनऊ (यूएनएस)। एकेटीयू यानी डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षांत समारोह में 95 मेधावियों को मेडल दिए गए। पीएचडी पूरी करने वाले 112 अभ्यर्थियों में पूर्व मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी भी शामिल हैं। उन्हें डिग्री दी गई। 49 हजार 452 स्टूडेंट्स को डिग्री प्रदान की गई। साथ ही स्पोर्ट्स और स्टार्टअप की श्रेणी में 3 पुरस्कार दिए गए। इस दौरान आयोजन की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कर रही हैं। बतौर मुख्य अतिथि एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर टीजी सीताराम और विशिष्ट अतिथिप्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल शामिल हुए। आनंदी बेन पटेल ने कहा कि यह युग विद्यार्थियों का युग है। वह आगे बढ़ेंगे, तो देश खुद ब खुद आगे बढ़ेगा। युवाओं के कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आपका जन्मदिन आए, तो एक साल होटल में मत जाए। 20 से 25 हजार का खर्चा आता है। दोस्तों के साथ होटल में खाने का जितना संतोष होगा, उससे ज्यादा संतोष आंगनबाड़ी में सामान मुहैया कराने पर होगा। 3 स्टूडेंट्स को स्टार्टअप अवॉर्ड मिला है। स्टार्टअप ढूंढने के लिए कही जाने की जरूरत नहीं हैं। ऐसे कई स्थान हैं, हमारे समाज की समस्याओं का समाधान करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं बताना चाहती हूं कि आज से 9–10 साल पहले देश में सिर्फ 100 स्टार्टअप थे, आज 1 लाख से ज्यादा स्टार्टअप हैं। पीएम कौशल विकास के तहत देश में डेढ़ करोड़ युवाओं को ट्रेनिंग मिल चुकी है। अब वो जमाना नहीं है कि एक काम सीख गए तो जीवन भर काम चल पाएगा। नेचर ऑफ जॉब बदल रहा है, इसलिए खुद को अपडेट करते रहना होगा। एआई पर केंद्रित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के जीवन को नया आयाम दे रहा है। इस बार के कॉन्वोकेशन में मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के छात्र मोहसिन अफरोज को चांसलर मेडल दिया गया। वही कानपुर की एकेटीयू की स्टूडेंट प्रज्ञा गौतम को कमल रानी वरुण अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 48 मेडलिस्ट में 36 मेडल छात्राओं की

झोली में आए। वही 12 मेडल छात्रों को मिले। कुलपति जेपी पांडेय ने कहा कि 50 हजार से ज्यादा उपाधि। डीजी लॉकर में अपलोड की जा रही हैं। वर्किंग प्रोफेशनल के लिए बीटेक की शुरुआत हुई हैं। हिंदी में इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू हुई हैं। विदेशी यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू करके ट्यूनिंग प्रोग्राम की शुरुआत कर रहे हैं। आज 112 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि भी दी जा रही हैं। विश्वविद्यालय के 19 संस्थानों को नैक के अच्छे ग्रेड मिले हैं। इसके अलावा 38 संस्थानों को छठ। एक्रेडिशन भी हासिल हुआ हैं। राज्य सरकार के सहयोग से 15 संस्थानों में इन्क्यूबेशन सेन्टर की शुरुआत हो चुकी हैं। इसके साथ ही 100 संस्थानों में इन्क्यूबेशन सेन्टर शुरू करने पर तेजी से काम हो रहा हैं। इनोवेशन दिवस पर स्टार्टअप संवाद की शुरुआत हुई थी। इनमें 10 स्टार्टअप को अवार्ड भी मिला था। फरवरी 2024 में मेगा जॉब फेयर ऑर्गनाइज करने जा रहा हैं। जिसमे 2 हजार जॉब के अवसर मुहैया कराया जाएगा। साथ ही इसी महीने के अंत में एचआर कॉन्क्लेव का भी आयोजन करने जा रहा हैं। यूनिवर्सिटी द्वारा पहली बार इंटर टेक्निकल यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स इवेंट के भी आयोजन किया गया हैं। डीजीसीए से लाइसेंस लेकर एकेटीय ग्रामीण महिलाओं को ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग देने जा रहा हैं। आईईटी लखनऊ की बीटेक स्टूडेंट आराधना कनौजिया को उनके स्टार्टअप के लिए अवॉर्ड दिया गया। उन्होंने बीटेक स्टूडेंट्स के लिए टेक्निकल सपोर्ट और कोर डोमेन के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म डेवलप करने में कामयाबी हासिल की हैं। वेल पेटर्वक के नाम से शुरू किए गए इस स्टार्टअप के लिए 2.5 लाख का फंड मिल चुका हैं। और इस इनिशिएटिव में उनके अलावा 4 को–फाउंडर सहित कुल 20 लोग अब तक जुड़ चुके हैं।

विश्वकर्मा समाज के गौरव ज्ञानी जैल सिंह के पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

भाजपा सरकार विश्वकर्मा समाज के लड़कों को टूल्स किट देकर बना रही मजदूर ताकि अधिकारी न बने : रामआसरे

लखनऊ,(यूएनएस)। विश्वकर्मा समाज के गौरव देश के सातवें राष्ट्रपति स्व. ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।प्रयागराज में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने विश्वकर्मा सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए ज्ञानी जैल सिंह को याद किया। ज्ञानी जैल सिंह पंजाब के गरीब बढ़ई परिवार में पैदा होकर पंजाब के मुख्यमंत्री, देश के गृहमंत्री तथा भारत के राष्ट्रपति बने। उन्होंने रास्ता दिखाया कि अगर संघर्ष क्षमता और दृढ़ संकल्प हो तो अभावों में रहकर भी व्यक्ति ऊंचाई तक पहुंच जाता है गरीबी और जाति उसके आड़े नहीं आती।वह एक स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी देशभक्त समाजवादी विचारक और गरीबों और शोषितों की लड़ाई लड़ने वाले संघर्षशील नेता थे। देश की आजादी की लड़ाई लड़ते हुए वह बार बार जेल गये इसलिए उनका नाम जरनैल सिंह से जैल सिंह पड़ गया। देश की मातृभाषा हिंदी के प्रेमी थे और उन्होंने राष्ट्रपति भवन का सारा काम हिन्दी में ही किया। पूर्व राष्ट्रपति होते हुए वह आईएएस की परीक्षा में हिन्दी लागू करने के लिये वह एक बार यूपीएससी भवन नयी दिल्ली के सामने आयोजित धरने पर भी बैठे थे।वह एक कुशल प्रशासक ईमानदार छवि के ताकतवर राष्ट्रपति थे। कांग्रेस की केन्द्र सरकार के द्वारा पास किये गये इण्डियन पोस्टल बिल जिससे ब्यक्ति के निजता का हनन माना जाता था उसपर हस्ताक्षर न कर जता दिया था कि राष्ट्रपति सरकार का रबर स्टैम्प नहीं है। हालांकि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की नाराजगी उन्हें झेलनी पड़ी थी। आज अगर वह राष्ट्रपति होते तो भाजपा के केंद्र सरकार के उल्टे–सीधे बिल को पास करने से मना कर देते।वह राष्ट्रपति होते हुए भी अपने विश्वकर्मा समाज को नहीं भूले थे।एक बार वह कानपुर में आयोजित विश्वकर्मा सम्मेलन में आये थे और विश्वकर्मा समाज का हौसला बढ़ाया था। आज विश्वकर्मा समाज की पहचान खतरे में है। भाजपा सरकार विश्वकर्मा समाज को गुमराह करके गलत दिशा में ले जाना चाहती है। जब सभी समाज के लड़के पढ़–लिखकर डाक्टर इंजीनियर आईएएस बनना चाहते हैं तो भाजपा सरकार विश्वकर्मा समाज के लड़कों को टूल्स किट्स देने में उलझा रही है और मजदूर बनाने की दिशा में ले जा रही है ताकि वह अधिकारी न बन सकें। भाजपा सरकार को अगर विश्वकर्मा समाज को कुछ देना था तो उन्हें टूल्स किट्स की जगह कम्प्यूटर दे देते जिससे वह उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते और देश दुनिया की जानकारी डिजिटल इण्डिया से जुड़ सकते। जिस प्रकार समाजवादी पार्टी की सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इण्टर पास लड़कों को मुफ्त लैपटॉप वितरित किया था।

पूर्वमन्त्री ने कहा विश्वकर्मा समाज को जागृत और संगठित होने की जरूरत है। भाजपा सरकार ने हमारे गौरव भगवान विश्वकर्मा की पूजा की छुट्टी को निरस्त करके भगवान विश्वकर्मा और उनके वंशजों का अपमान किया। जो पहचान विश्वकर्मा समाज की समाजवादी पार्टी ने बनायी थी भाजपा सरकार उसे मिटा रही है। विश्वकर्मा समाज के पहले आईटीआई का प्रमाण पत्र देने से रोका और अब उन्हें कौशल विकास मिशन की ट्रेनिंग दे रहे हैं जबकि विश्वकर्मा समाज के लड़के पैदाइशी इंजीनियर होते हैं। भाजपा सरकार विश्वकर्मा समाज का कभी भला नहीं कर सकती।समाजवादी नीतियां ही गरीबों पिछड़ों दलितों के पक्ष में है। समाजवादी नीति पर ही चलकर गरीब नाई समाज में पैदा हुए कर्पूरी ठाकुर बिहार की मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे। समाजवादी पार्टी में ही चलकर गरीब विश्वकर्मा समाज में पैदा होकर राम आसरे विश्वकर्मा उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री बने। समाजवादी पार्टी ही गरीबों पिछड़ों दलितों को सत्ता तक ले जायेगी। इसलिए समाजवादी पार्टी को मजबूत करें और 2024 में समाजवादी पार्टी को जितायें।कार्यक्रम का अध्यक्षता महासभा जिलाध्यक्ष रामनिरंजन विश्वकर्मा तथा संचालन राम अभिलाष विश्वकर्मा एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम को पूर्व विधायक मुस्तफा सिद्दीकी समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव अमर नाथ मौर्य रामसुमेर पाल रामअवध पाल प्रेमचन्द कुशवाहा महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शिवशंकर वर्मा आदि ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

चार दिन बंद रहेगा होल सेल दवा बाजार

लखनऊ, (यूएनएस)। प्रदेश की सबसे बड़ी दवा मंडी चार दिन के लिए बंद रहेगी। लखनऊ अमीनाबाद स्थित होल सेल मेडिसीन मार्केट के कारोबारी नए साल की छुट्ट्टी मनाएंगे। 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक करीब 2000 से ज्यादा दुकान बंद रहेगी। लखनऊ केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष हरीश चंद्र साह, महामंत्री प्रदीप चंद्र जैन के मुताबिक हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शीतकालीन पारिवारिक अवकाश के अवसर पर 29 दिसंबर से 1जनवरी जनवरी तक अमीनाबाद होल सेल दवा बाजार बंद रहेगा। कारोबारियों का कहना है कि इस दौरान किसी को कोई परेशानी न हो इसको लेकर प्रशासन से लेकर खुदरा कारोबारियों को सूचित कर दिया गया है। अगर इमरजेंसी में किसी दवा की जरूरत पड़ती है तो उसके लिए कारोबारी उपलब्ध। करेंगे। अमीनाबाद दवा मंडी से प्रतिदिन करीब 25 से 30 करोड़ रुपए का काम होता है। यहां यूपी के 20 से ज्यादा जिलों में माल जाता है। हालांकि हर साल नए साल पर 4 दिन के लिए बाजार पहले से बंद होता आया है। ऐसे में पहले से ही बाकी जगहों पर ही स्टॉक पहुंच जाता है, जिससे कि दवाओं की कमी महसूस न हो।होल सेल बाजार में शहर के आम लोग भी दवा लेने पहुंच जाते है। दरअसल, यहां दवाओं पर आसानी से बिना किसी संपर्क से 20 से 30 फीसदी तक छूट मिल जाता है। ऐसे में जिनको ज्यादा दवा लेनी होती है वह बाजार में जाता है। उसके अलावा कई दवाएं या इंजेक्शन हजारों रुपए में आते है। ऐसे लोग भी वहां पहुंचते है। लेकिन इन चार दिनों में ऐसे ग्राहक को खुदरा कारोबारियों के भरोसे ही बाजार करना होगा। पदाधिकारियों के मुताबिक बंदी के दौरान दवा व्यापारी अपने परिवार के साथ नया वर्ष सेलीब्रेट कर अपने को तनाव मुक्त करते है। बंदी के दौरान ये भी ख्याल रखा जाता है कि किसी फुटकर दवा ब्रिकेता को कोई असुविधा न हों, इस सन्दर्भ में सम्बन्धित अधिकारीयों को भी अवगत करा दिया गया है।

साहिबजादों के बलिदान की गाथा हर बच्चे और युवा को सुनाई जानी चाहिए : योगी

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि 'वीर बाल दिवस हमें सिख गुरुओं के बलिदान की याद दिलाता है और साहिबजादों के बलिदान की गाथा हर बच्चे और युवा को सुनाई जानी चाहिए। उन्होंने अपने सरकारी आवास में आयोजित विशेष संकीर्तन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''गुरु गोविंद सिंह के चारों पुत्र धर्म और देश की रक्षा के लिए हंसते–हंसते प्राणों की आहुति दे दी। यह इतिहास युवा पीढ़ी तक पहुंचानी होगी, ताकि वे अपने बलिदानियों की गौरवगाथा के बारे में जानें। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक मंडल और जनपद स्तर पर वीर बालकों का

सम्मान किया जाना चाहिए। साथ ही प्रदेश में सिख गुरुओं से संबंधित सभी स्थलों को चिह्नित करते हुए उनके विकास के लिए कार्य किये जाएंगे। योगी ने गुरु गोविंद सिंह को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने चार–चार पुत्र देश और धर्म की रक्षा करते हुए बलिदान कर दिए। जब गुरु गोविंद सिंह जी से पूछा गया कि आपके चार पुत्र शहीद हुए, उस समय उनके मुख से यही निकला था कि चार हुए तो क्या हुआ, जीवित हुए हजार। ऐसे कार्यक्रम उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर हैं। मुख्यमंत्री ने लखनऊ के सिखों को धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी ने 2020 से लगातार इस बात को उठाया कि भारत के इतिहास में सर्वोच्च बलिदान देने वाले साहिबजादों को आखिर क्यों विस्मृत कर दिया गया। जिन साहिबजादों के बलिदान दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाना चाहिए, उसकी जगह किसी और घटना को बाल दिवस से जोड़ दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और प्रेरणा से दोनों साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान दिवस को आज पूरा देश वीर बाल दिवस के रूप में मना रहा है। सिख गुरुओं का बलिदान व्यक्तिगत या परिवार के लिए नहीं था, बल्कि उनका बलिदान देश और धर्म के लिए था। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारे स्कूली बच्चों के सामने साहिबजादों का इतिहास आना ही चाहिए।

निमंत्रण मिले न मिले,हम अयोध्या जायेंगे : डिंपल

सदन में चर्चा से डरती है सरकार

लखनऊ,(यूएनएस)। मैनपुरी पहुंचीं सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम का निमंत्रण अगर नहीं मिलता है तो भी हम जाएंगे। भले ही निर्धारित तिथि के बाद जाएं। आराध्य को राजनीति में नहीं बांधना चाहिए।पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को नहीं बुलाने की मांग भाजपा की सोच को उजागर करती है। भगवान राम की बात करना ही पर्याप्त नहीं है उनके आदर्श को भी अपने जीवन में उतारना चाहिए।सोमवार की शाम को सांसद डिंपल यादव सपा महिला सभा की जिलाध्यक्ष ज्योती मैसी के आवास पर पत्रकारों से वार्ता कर रही थी। उन्होंने कहा कि देश की संसद से 142 सांसदों का एकसाथ निलंबन दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। विश्व में ऐसा किसी भी देश में नहीं हुआ है। सरकार पूरी तरह डरी हुई है। केंद्र की भाजपा सरकार ने पांच साल के कार्यकाल में ईडी, सीबीआई, आयकर टीम का जमकर दुरुपयोग किया है। सरकार सच बात सुनना नहीं चाहती है। सदन में चर्चा से डरती है। तमाम तरह की बातों को उछालकर जनता का ध्यान भटकाया जा रहा है। सरकार पांच किलो आटा देने का दावा तो करती है लेकिन बेरोजगारों को नौकरी देने की दिशा में कदम नहीं बढ़ाना चाहती है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष के चुनाव में भी सरकार के लोग शामिल रहे हैं। सांसद ब्रजभूषण सिंह केकरीबी को अध्यक्ष बनवा दिया। आतंकी हमले में चार जवानों और तीन नागरिकों की हत्या सरकार के दावों की पोल खोल रही है। सरकार पत्थर तक नहीं चलने का दावा कर रही है वहीं आतंकी सेना के जवानों की हत्या कर रहे हैं। सरकार को आतंकवाद के मामले में तथ्य देश की जनता के सामने लाने चाहिए।इस दौरान सपा जिला अध्यक्ष आलोक शाक्य, विधायक किशनी बृजेश कठेरिया, पूर्व सदर विधायक राजकुमार यादव, जिला महासचिव रामनारायण बाथम, सुबोध यादव, उपदेश यादव, कमल वर्मा, मानवेंद्र सिंह, देवेंद्र यादव एडवोकेट, देवेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

नन्हे मुन्नों ने नाच गा कर दिया स्वच्छ भारत का संदेश

लखनऊ, (यूएनएस)। स्वच्छता का इरादा है स्वच्छ भारत बनाना है, इन पंक्तियों पर नन्हे मुन्नों ने नाच गा कर लखनऊ पब्लिक स्कूल आनंद नगर शाखा के वार्षिकोत्सव की शुरुआत की। एलपीएस आनंद नगर शाखा के वार्षिकोत्सव हारमोनिकास–2023 की शुरुआत लखनऊ पब्लिक कॉलेज गोमती नगर के श्री राम मनोहर लाल मेमोरियल ऑडिटोरियम हॉल में हुई जिसमें बच्चों ने रामायण का सजीव मंचन किया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व छात्र डॉ.अखिलेश बनर्जी (इंजिनियर, इंटेल कारपोरेशन यूएसए), अतिविशिष्ट अतिथि पूर्व छात्रा श्रद्धा यादव, आईएफएस (डिप्टी कंजर्वेटर आफ फारेस्ट, फारेस्ट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, कानपुर) व पूर्व छात्र नवनीत सिंह (न्यायाधीश) मौजूद रहे। हार्मोनिकाज के माध्यम से बच्चों ने सांस्कृतिक मूल्यों, परम्पराओं और मानव मूल्यों को स्थापित करते हुए आकर्षक प्रस्तुतियों की शुरुआत रॉकबैंड से की। इसके बाद सनी संडे, कथक राकर्स, लिटिल स्टार, मिकी डांस क्लब, जगा ले जज्बा, फिटनेस गाला, स्वच्छता की जोत, शाबासियां, मोसाद ऑफ इंडिया, हाईरेटेड गबरू जैसी मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर लखनऊ पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज के प्रबंधक व संस्थापक डा. एसपी सिंह, निदेशक नेहा सिंह, प्रधानाचार्य श्रीमती मीना तिवारी ने संस्था की शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान 30 बच्चों व उनके अभिभावकों को प्रशंसनीय उपलब्धियों पर प्रशस्ति पत्र, शॉल व बुके देकर सम्मानित किया गया।

आउटर-रिंग-रोड पर कंटेनर ने दो महिलाओं को मारी टक्कर,दोनों महिलाओं की मौत

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में आउटर रिंग रोड पर अनूप खेड़ा अंडर पास पर तेज रफ्तार एक कंटेनर ने दो महिलाओं को टक्कर मार दी। वहीं टक्कर मार कर मौके से ट्रक छोड़कर चालक फरार हो गया। इस हादसे में दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने दोनों महिलाओं को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कंटेनर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इंदिरानगर निवासी सुषमा वर्मा अपनी ननद विनीता वर्मा के साथ उज्जैन के महाकाल से दर्शन कर वापस प्राइवेट बस से अनूप खेड़ा अंडर पास पर उतरी थी। वह पैदल कुछ दूर आगे बढ़ी थी कि इस दौरान पीछे कंटेनर (यूपी16 जेटी 6068) ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक महिलाओं के पास से मिले मोबाइल फोन से परिजनों को घटना की सूचना दी। मृतक सुषमा वर्मा पत्नी अवधेश वर्मा निवासी सर्वोदय नगर अपनी ननद विनीता पत्नी प्रमोद निवासी मीना मार्केट, भूतनाथ इंदिरानगर की रहने वाली थी। इंस्पेक्टर बिजनौर ने बताया कि आउटर रिंग रोड पर अनूप खेड़ा अंडर पास पर तेज रफ्तार एक कंटेनर ने दो महिलाओं को टक्कर मार दी। जिससे दोनों महिलाओं की मौत हो गई। कंटेनर चालक यज्ञ पाल को हिरासत में लेकर कंटेनर को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही हैं।

स्क्रैप मार्केट में अचानक लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर हुआ खाक

लखनऊ,(यूएनएस)। राजधानी लखनऊ के केशव नगर इलाके के पास मंगलवार सुबह एक स्क्रैप बाजार में भीषण आग लग गई। आगजनी की इस घटना में लाखों रुपयों का सामान जलकर खाक हो गया। मामला केशव नगर पुलिस चौकी के पास स्थित कबाड़ मंडी का है। अग्निशमन अधिकारियों ने कहा कि आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद थीं। नवीनतम उपलब्ध जानकारी के अनुसार, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, अचानक लगी आग ने दुकान में रखे लकड़ी के सामान को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके कारण आग ने तुरंत ही विकराल रुप ले लिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इस बात की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को दी। लेकिन जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची तब तक आग ने कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग ने दुकान के पास लगे नीम के पेड़ को भी जलाकर खाक कर दिया था। इसी के साथ ही पास में गाड़ी रिपेयरिंग की दुकान में जहां काफी संख्या में गाड़ियां खड़ी थी उनको तुरंत वहां से हटाया गया। बताया जा रहा है कि आग इतनी भीषण थी कि वहां मौजूद लोग इधर–उधर भाग रहे थे। इस दौरान कुछ लोग आगजनी की इस घटना को अपने मोबाइल के कैमरे में भी रिकॉर्ड करने लगे। गनीमत ये रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, फर्नीचर की दुकान में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग की 4 गाड़ियों ने 40 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जनवरी से यूपी दौरे पर जा सकती हैं मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अगले महीने से उत्तर प्रदेश का दौरा शुरू कर सकती हैं। उत्तर प्रदेश और

उत्तराखंड ऐसे दो राज्य हैं, जिनकी देखरेख मायावती खुद करेंगी जबकि अन्य राज्यों में पार्टी ने या तो प्रभारी और समन्वयक नियुक्त कर दिए हैं या ऐसा करने की प्रक्रिया में है। राज्य के दौरे से उन्हें जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधे फीडबैक मिलने की उम्मीद है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने कहा,"इससे पार्टी को आगामी आम चुनावों के लिए रणनीति बनाने में मदद मिलेगी और चुनावों के लिए उम्मीदवार भी तय होंगे। यह यूपी में पिछले दो चुनावों – 2022 विधानसभा चुनाव और 2023 शहरी स्थानीय निकाय चुनावों से उनकी चुनावी रणनीति में एक बड़ा बदलाव हो सकता है, जहां उन्होंने ज्यादा प्रचार नहीं किया था। पार्टी ने दोनों चुनावों में खराब प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि मायावती को राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में जबरदस्त समर्थन मिला, जहां उन्होंने 20 रैलियां कीं।चार राज्यों में हाल ही में विधानसभा चुनाव हुए और मायावती अपनी पार्टी के अभियान की कमान संभाल रही थीं। सूत्रों ने कहा कि उनकी उपस्थिति ने कैडर को प्रेरित किया। सूत्रों ने कहा, यूपी में पार्टी के लोग बहनजी से मिलना चाहते हैं और उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करना चाहते हैं। हाल ही में हुई कई पार्टी बैठकों में, मायावती ने समय से पहले लोकसभा चुनाव की आशंका जताई है और पार्टीजनों से इसके लिए तैयार रहने को कहा है। जब वह राज्य का दौरा करेंगी तो वह जमीनी स्तर पर पार्टीजनों से सीधे फीडबैक लेंगी। हाल ही में, पार्टी में इस बात को लेकर असंतोष बढ़ रहा है कि मायावती को उनके और पार्टी में अन्य लोगों के बीच माध्यम के रूप में काम करने वाले जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और समन्वयकों से काट दिया गया है। उत्तर प्रदेश में पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक न केवल पर्याप्त सीटें जीतना है, बल्कि जो सीटें उसके पास हैं उन्हें बरकरार रखना भी है। 2019 के लोकसभा चुनावों में, पार्टी ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ी गई 38 सीटों में से 10 सीटें जीती थीं। 2014 में यह शून्य रही। 2009 में उसने यूपी में 20 सीटें जीती थीं। आगामी लोकसभा चुनाव बसपा के लिए इस मायने में भी महत्वपूर्ण होंगे कि उसने 2022 के विधानसभा चुनावों में यूपी में अपना अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन दर्ज किया था, केवल एक सीट जीती थी और 12.8 प्रतिशत वोट हासिल किए थे।

संयुक्त राष्ट्र संघ में अपनी आवाज बुलन्द की सी.एम.एस. छात्रा ने

लखनऊ,। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस की छात्रा आयुषी शुक्ला ने अभी हाल ही में न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अल्पसंख्यकों पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र के 16वें सेशन को संबोधित कर देश का गौरव सारे विश्व में बढ़ाया है। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी व सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने आयुषी के उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र में आयुषी का यह पहला अभिभाषण था, जिसमें उन्होंने विभिन्न देशों के अल्पसंख्यकों के साथ समान व्यवहार और समान न्याय पर सारगर्भित व समाधानप्रेरक उद्बोधन दिया। अपने अभिभाषण में आयुषी ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप उन सभी विषयों को उठाया जो राजनीतिक प्रणालियों में अल्पसंख्यकों को समान स्थान प्रदान करने का आह्वान करता है। संयुक्त राष्ट्र में अभिभाषण देकर आयुषी ने स्वयं को महिला सशक्तीकरण के प्रेरक उद्धरण के रूप में साबित किया है।श्री शर्मा ने बताया कि आयुषी सी.एम.एस. की

अत्यन्त प्रतिभाशाली छात्रा रही है एवं विद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रमों एवं अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक समारोहों में बढ़चढ़कर प्रतिभाग करती रही है। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करने में उनकी खास रूचि रही है। सी.एम.एस. द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन में आयुषी के विचारों से प्रभावित होकर इण्टरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट, हेग, नीदरलैण्ड के सेकेण्ड वाइस प्रेसीडेन्ट न्यायमूर्ति एंटोनी केसिया एमबी मिंडुआ ने आयुषी को प्रशंसापत्र लिखते हुए इण्टरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में इंटर्नशिप हेतु आमन्त्रित किया। सी.एम.एस. में पढ़ाई के दौरान ही आयुषी ने जेनेवा स्कूल ऑफ डिप्लोमेसी एण्ड इन्टरनेशनल रिलेशन्स में उच्चशिक्षा हेतु 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप अर्जित की। वर्तमान में आयुषी जेनेवा इण्टरनेशनल सेंटर फॉर जस्टिस के साथ कार्य कर रही हैं। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. अपने छात्रों को विश्वव्यापी दृष्टिकोण प्रदान करने का भरसक प्रयास कर रहा है। सी.एम.एस. का लक्ष्य बच्चों को वर्ल्ड लीडर के रूप में तैयार करने वाली शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि वे कल के विश्वव्यापी समाज का नेतृत्व अपने विकसित मानवीय दृष्टिकोण से कर सकें। इन्हीं प्रयासों की बदौलत सी.एम.एस. छात्र विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर दिन–प्रतिदिन लखनऊ का नाम रोशन कर रहे हैं।

एएए-टेक्सास द्वारा एएमयू को 12 लाख अनुदान देने की घोषणा

अलीगढ़,(यूएनएस)। अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में अकादमिक उन्नति की दिशा में कदम बढ़ाते हुए, अलीगढ़ एलुमनी एसोसिएशन ऑफ टेक्सास (एएए–टीएक्स), ह्यूस्टन, यूएसए ने एएमयू फैकल्टी डेवलपमेंट रिसर्च सीड ग्रांट (एएमयू–एफडीआरएसजी) द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अनुसंधान प्रयास को समर्थन देने के लिए 12 लाख रुपये अनुदान की पेशकश की गई है। इस का उद्देश्य शुरुआती और मध्य–करियर वैज्ञानिकों के बीच प्रतिस्पर्धी भावना पैदा करना है, जिससे एक्स्ट्रामुरल फंडिंग हासिल करने के उनके प्रयासों को सुव्यवस्थित किया जा सके।एफडीआरएसजी के प्राप्तकर्ताओं में डॉ. शमिला फातिमा (जैव रसायन विभाग, जीवन विज्ञान संकाय), डॉ. रुकैय्या अफ्रोस (जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज), डॉ. मोहम्मद कामिल खान, और डॉ. मुहम्मद इनामुल्लाह (जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) को एएमयू कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज द्वारा सम्मानित किया गया।ह्यूस्टन विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर और एएए–टेक्सास की अध्यक्ष डॉ. समीना सालिम, जिन्होंने इस कार्यक्रम को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज को ह्यूस्टन पूर्व छात्र पत्रिका तराना भेंट की। इस अवसर पर प्रो. सुफियान बेग (प्रिंसिपल, जेडएचसीईटी) और प्रो. मोहम्मद अकरम, कार्यक्रम समन्वयक भी उपस्थित थे। कुलपति ने प्रत्येक प्रस्ताव की खूबियों पर चर्चा में भाग लेने वालों को बधाई दी, और अपनी मातृसंस्था के लिए उनकी पहल और समर्थन के लिए ह्यूस्टन के पूर्व छात्रों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय समुदाय के भीतर अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और अनुसंधान को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्रसिद्ध कहानीकार सैयद मोहम्मद अशरफ गालिब पुरस्कार से सम्मानित

अलीगढ़,(यूएनएस)। प्रसिद्ध कहानीकार और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र सैयद मोहम्मद अशरफ को उर्दू गद्य में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए ऐवान–ए–गालिब, नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित 'गालिब पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। .इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रो. कमरुल हुदा फरीदी ने सम्मान प्राप्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि सैयद मोहम्मद अशरफ को समसामयिक उर्दू के सबसे प्रमुख कहानीकारों में से एक माना जाता है और यह उर्दू भाषियों के लिए गर्व का विषय है तथा वह उर्दू माध्यम से सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले पहले व्यक्ति थे।श्री अशरफ को एक आयकर अधिकारी होने के बावजूद उर्दू साहित्य में रुचि रखने का भी गौरव प्राप्त है, जो हाल ही में आयकर निपटान आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं।सैयद मोहम्मद अशरफ ने अपनी अनूठी लेखन शैली से उर्दू कथा साहित्य में अपने लिए एक अलग जगह बनाई और इसके सम्मान में उन्हें 'साहित्य अकादमी पुरस्कार', 'इकबाल सम्मान', 'आलमी फरोग उर्दू पुरस्कार', 'पश्चिम बंगाल कौमी एकता अवार्ड', 'उर्दू अकादमी लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड', 'शमीम निकहत अवार्ड' और 'कथा अवार्ड' सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।सैयद मुहम्मद अशरफ ने एएमयू से स्वर्ण पदक के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की, और 'अंजुमन उर्दू–ए–मुअल्लाह' के सचिव और 'अलीगढ़ पत्रिका' के संपादक के रूप में कार्य किया। वह 'यूनिवर्सिटी लिटरेरी क्लब' के सचिव भी रहे। उनकी प्रमुख काल्पनिक कृतियों में 'दर से बिछड़े', 'नंबरदार का नीला', 'बाद–ए–सबा का इंतजार', 'आखिरी सावरियां' और 'किस्सा निस्फ सदी का' शामिल हैं। उनके उपन्यास 'मीर अमान किस्सा सुनो' के प्रकाशन की प्रतीक्षा है।अपने काल्पनिक कार्यों के अलावा, श्री अशरफ के काव्य संग्रह, 'सलू अलैहि वा अलिही', 'सुल्तान अल हिंद', 'रुख–ए–मुस्तफा है वो आइना' और 'अशरह–ए–मुबश्शेरा', पैगंबर मुहम्मद की प्रशंसा में को भी सार्वजनिक प्रशंसा मिली है।

मिनी स्पोर्टस डे' में बच्चों ने दिखाये अपने करतब

लखनऊ,(यूएनएस)। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अशर्फाबाद कैम्पस द्वारा 'मिनी स्पोर्टस डे' का आयोजन आज विद्यालय प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्री–प्राइमरी व प्राइमरी के नन्हें–मुन्हें छात्रों ने अपनी अभूतपूर्व खेल प्रतिभा व अपने करतबों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया एवं चुस्ती–फुर्ती से परिपूर्ण फिजिकल फिटनेस एक्टिविटी द्वारा इण्डिया फिट एण्ड यंग का सन्देश दिया। खेल समारोह का शुभारम्भ सर्व–धर्म एवं विश्व शान्ति प्रार्थना से हुआ एवं इसके उपरान्त खेल की विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक पदकों के जबरदस्त होड़ रही और छात्रों ने अपनी शक्ति, दमखम, प्रतिभा व क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया। विद्यालय के नन्हें–मुन्हें छात्रों ने विभिन्न प्रकार की रेस व अन्य रोचक खेलों में अपनी खेल प्रतिभा का गजब का प्रदर्शन किया। खेल समारोह में बच्चों के माता–पिता व अभिभावकों ने भी बड़े उत्साह से प्रतिभाग किया।इससे पहले, 'मिनी स्पोर्टस डे' का शुभारम्भ सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में डा. गाँधी ने कहा कि खेल का मैदान ऐसा है जहां अनेक गुण पैदा होते हैं एवं चरित्र का निर्माण होता है। इस तरह के आयोजन छात्रों में एकता, सहयोग व सौहार्द जैसे उच्च जीवन मूल्यों का विकास करते हैं। सी.एम.एस. अशर्फाबाद कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती तृप्ति द्विवेदी ने इस अवसर पर कहा कि छात्रों के बौद्धिक विकास के लिए शारीरिक विकास का होना अति आवश्यक है और यह खेलों द्वारा ही सम्भव है। अतः इस तरह के आयोजनों से छात्रों में आपसी सहयोग, आत्म विश्वास व जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

मनाया गया पूर्व पीएम का जन्मदिवस ,24 लाख 50 हजार की धनराशि से बनाया गया अटल द्वार

उरई / जालौन,(यूएनएस)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेई का 99 वां जन्म दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। जन्मदिवस के अवसर पर सोमवार को उरई के भाजपा विधायक गौरी शंकर वर्मा द्वारा जालौन के लोगों को बड़ी सौगात दी है। यह सौगात पूर्व पीएम अटल द्वार के नाम से ग्राम रिनिया में दी गई है। जिसका शुभारंभ फीता काटकर भाजपा के कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल द्वारा किया गया। जिसको आज से जालौन के लोगों के लिए खोल दिया गया। झांसी से उरई की तरफ आने वाले बाहरी लोगों को उरई शहर आने का रास्ता भटक जाते थे और वह झांसी–कानपुर हाईवे पर उरई शहर को छोड़कर 20 किलोमीटर आगे निकल जाते थे। जिस कारण सफर करने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। जिसको ध्यान में रखते हुए उरई के भाजपा विधायक गौरी शंकर वर्मा ने सफर करने वाले लोगों को सुविधा देने के लिए अटल द्वार बनवाने की घोषणा की थी। जिससे हाईवे से उरई शहर आने के लिए लोगों को परेशान न होना पड़े। उरई विधायक ने अपनी निधि से 24 लाख 50 हजार की धनराशि से इस द्वार का निर्माण कराया। द्वार के निर्माण का शुभारंभ पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी वाजपेई के 99 वें जन्मदिवस के अवसर पर विधि विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। इस दौरान फीता काटकर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल द्वारा जनता को समर्पित कर दिया गया। उनके जन्मदिवस के अवसर पर कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि श्रद्धेय पंडित अटल बिहारी वाजपेई ने देश की सेवा की खातिर सब कुछ समर्पित कर दिया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के जनता की सेवा की। उनके कार्यकाल में देश ने लगातार तरक्की की, वह विरोधियों के लिए भी हमेशा एक अच्छे राजनेता रहे हैं। विदेशों में उन्होंने भारत का मान बढ़ाया है, सत्ता पक्ष के लोगों भी पंडित अटल बिहारी वाजपेई को अपने डेलिगेशन में शामिल करते हुए विदेश में भेजते थे। आज उनकी जयंती पर जालौन के लोगों के लिये अटल द्वारा ने नाम से बड़ी सौगात दी गई है।

सनातन महासभा की 120वी मां गोमती महाआरती का आयोजन

लखनऊ,(यूएनएस)। सनातन महासभा की ओर से झूलेलाल वाटिका, गोमती तट पर प्रत्येक पूर्णिमा पर आयोजित मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर आयोजित 120वी आदि गंगा माँ गोमती महाआरती व सनातन समागम का आयोजन मंगलवार को किया गया।मंगलाचरण, स्वस्तिवाचन, पुष्पांजलि व शंखनाद के साथ हरिद्वार की तर्ज पर 07 भव्य मंचो से पूज्य, स्वामी कृष्ण मोहन, देवेंद्र शुक्ल, डॉ. राघवेन्द्र शुक्ल के सानिध्य में हुई। महाआरती में मृदंग, मंजीरा, ढोल, तासे, शंख का खूब प्रयोग किया गया। अध्यक्ष डॉ. प्रवीण ने बताया कि बच्चों द्वारा विभिन्न देवताओं के रूप में महाआरती का पूर्व भारतीय समूह लोकनृत्य का आयोजन अमित दीक्षित, भूषण अग्रवाल, महर्षि कपूर, मंजू श्रीवास्तव के संयोजन में हुआ। कार्यक्रम का आरंभ रिद्धि सिद्धि के दाता सुनो गणपति..., से हुआ। सभी बच्चो को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया और कार्यक्रम का आरंभ 108 श्री हनुमान चालीसा से हुआ। महाआरती का संयोजन कर रहे महासभा के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण व मुख्य सचिव देवेंद्र शुक्ल ने बताया कि महाआरती के बाद 1101 दीपो से घाट दिवाली की तरह जगमगा उठा साथ ही सभी ने मंदिरों से सनातन धर्म व संस्कार के विस्तार को लेकर संकल्प लिया और सभी ने वरिष्ठ समाजसेवी हिमांशु शेखर व आरती शुक्ला के नेतृत्व में मां गोमती की स्वच्छता व किनारों के अतिक्रमण को लेकर संकल्प दीपो से सभी भक्तों को कराया।इस भव्य कार्यक्रम का संचालन विकास मिश्र ने किया और भक्तो को अपनी मिमिक्री से मनोज सारस्वत ने हँसते हँसाते धर्म का ज्ञान तमाम फिल्मी कलाकारों व राजनेताओ की आवाज में दिया।इस मौके पर सनातन शिरोमणि सम्मान से रक्षा मंत्री भारत सरकार के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राघवेन्द्र शुक्ल,,,,शिक्षाविद आनंद शेखर सिंह को सनातन शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के बाद में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर सीपी अवस्थी, रामकिशोर शुक्ल, आशा सिंह, डॉ. नीलू त्रिवेदी, डॉ. आहुति बाजपेयी, ऋषि शर्मा, मनीष रस्तोगी, रवि कचरू, हिमांशु अवस्थी, देवेंद्र राय, केके राय, प्रदीप पांडेय, आरती शुक्ला, एड. शैलेन्द्र श्रीवास्तव, सोमेश सिंह, सुशील तिवारी, विनय कुमार, मनोज श्रीवास्तव,सीपी तिवारी, नविता द्विवेदी, भूषण अग्रवाल, शोभित सिंह, कमल कपूर, दीपक चौधरी मौजूद रहे, सहयोगी संस्थाओं में अ.भा ब्रह्म समाज, ब्रह्म सागर, स्त्री वेलफेयर फाउंडेशन, विनायक ग्रामोउद्योग संस्थान के सदस्य भी उपस्थित रहे।

सपनों के उड़ान परियोजना का शेयरिंग मीटिंग व डॉक्यूमेंट्री लांच

लखनऊ, (यूएनएस)। निशातगंज स्थित कैफी आजमी एकेडमी में विज्ञान फाउंडेशन व अजीम प्रेम जी फिलेन्ट्रोपिक इनिशिएटिव के संयुक्त तत्वाधान में 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम के तहत शेयरिंग मीटिंग व डॉक्यूमेंट्री लांच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में परियोजना के तहत 8 सिविक एक्शन प्रोजेक्ट किशोरियों के द्वारा अपने बस्ती में चलाये गया जिसका सभी किशोरियों के द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया और अपने–अपने अनुभव साझा किया गया. मडियांव की रोशनी ने बताया की मै उन लड़कियों में से एक हूँ जिनकी पढाई किसी करना छूट जाती है मैं 5 साल पढाई छोड़ने के बाद अपनी पढाई कर रही हूँ और अन्य ड्रॉपआउट लड़कियों के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही हूँ कि वे अपनी शिक्षा पूरी करें. रुचि ने बताया की जब मै छोटी थी तो एक पुलिस अधिकारी बनना चाहती थी, लेकिन अब मै एक सामाजिक कार्यकर्ता बनना चाहती है और वर्तमान मैं अपने समुदाय की वयस्क महिलाओं के साथ काम कर रही हूँ और उन्हें कार्यात्मक रूप से साक्षर बनाना चाहती हैं।अक्सा फातिमा ने बताया की मै मडियांव की रहने वाली हूँ और मै अपने खेल (हॉकी) से प्यार करती है और इसमें अपना करियर बनाना चाहती है। और साथ ही मैं अपने समुदाय के साथ काम करना चाहती हूँ और मैं वर्तमान में अपने इलाके में आपूर्ति जल की गुणवत्ता में सुधार पर काम कर रही हूँ। जानकीपुरम की एकता ने बताया की मेरा सपना राजनीति में करियर बनाने का है। वह एक चेंजमेकर बनना चाहती हूँ और किशोरी लड़कियों के लिए अपने प्रयासों का पालन करने के लिए अवसर बनाना चाहती हूँ। वर्तमान में, वह अपने इलाके में आपूर्ति जल की गुणवत्ता में सुधार पर काम कर रही हूँ पारा की सविता व जानकीपुरम से निखत ने बताया की मै एक सामाजिक कार्यकर्ता बनना चाहती हूँ और अपने साथियों और समुदाय के विकास के लिए काम करना चाहती हूँ। मेरे द्वारा लखनऊ शहर के 10 सार्वजनिक स्थानों के सुरक्षा

ऑडिट पर काम किया गया, जहाँ मेरे रिपोर्ट द्वारा पता चला की महिलायों व लड़कियों के लिए सेफ स्पेस की कमी है. पूर्वीदीन खेड़ा की शिखा ने बताया की मैं कचरा प्रबंधन पर को लेकर काम कर रही हूँ और मेरा मानना है कि अगर हम अपने घर में पैदा होने वाले ठोस कचरे का प्रबंधन कर सकें तो दुनिया और उनका समुदाय एक बेहतर जगह होगी। जानकीपुरम की शीफा के द्वारा बताया गया की मैं अपने इलाके में ताइक्वांडो चौंपियन हूँ और मैं नर्सिंग में अपना करियर बनाना चाहती हूँ लेकिन ताइक्वांडो के प्रति अपने जुनून को भी आगे बढ़ाना चाहती हूँ। और मेरा मानना है कि शारीरिक गतिविधि लड़कियों को किसी भी चीज से अधिक सशक्त बनाएगी। वर्तमान में मै अपने एरिया के पार्क कि साफ– सफाई को लेकर काम कर रही हूँ ताकि खेलने का स्थान प्राप्त हो सके.इसके बाद में सरकारी व गैर सरकारी विभाग के सम्मानित सदस्य गण की उपस्थिति में सपनों की उडान कार्यक्रम के डॉक्यूमेंट्री का लांच किया गया. इसीक्रम में कार्यक्रम से जुड़े मेंटर्स केद्वारा किशोरियों के द्वारा किये गए कार्यों को सराहा गया और सभी बच्चों को आगे के लिए बधाई दिया गया. और बताया गया की जिस तरह से 3 साल के यात्रा को डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से दिखाया गया है निश्चित ही अगर इस तरह के काम होते रहेंगे तो हमारे समाज में बदलाव देखने को मिलेगा. इस मौके पर एफ पी ए आई से मिताश्री, किशोरी समूह सदस्यों की मेंटर गुरजीत, मद्यनिषेध विभाग से बृजमोहन, यूपीएसडीएम से स्मृति, आई सी आई सी आई अकैडेमी से शिल्पी, सामाजिक कार्यकत्री ताहिरा हशन, नशीर, ऋषि, नितीश, मुकेश, व गैर सरकारी संस्था हम–सफर, एम्बेड, रेड ब्रिगेड ट्रस्ट, बाला फाउंडेशन से सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विज्ञान फाउंडेशन संस्था के कोषाध्यक्ष रामायण जी के द्वारा सभी का धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

जफरुद्दीन सिद्दीकी की पुण्य तिथि 30 दिसंबर को

लखनऊ (यूएनएस)। राष्ट्रीय सामाजिक कार्य कर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद अफाक के आवास पर एक बैठक हुई जिसमें उपस्थित सभी साथियों को बताया कि 30 दिसंबर 2023 को जफरुद्दीन राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के अंतर्गत आयोजित की जाएगी। उनके निधन के एक वर्ष पूरे होने पर सुबह 11 बजे अब्दुल बासित रहमानी के कार्यालय, शूटर खाना, भानमती चौराहा, मकबूल गंज में शोक कार्यक्रम आयोजित किया जाये गया। मुहम्मद अफाक ने कहा कि 2 जुलाई 2000 ई० को मेरी मुलाकात जफरुद्दीन सिद्दीकी से हुई, उस समय वह लखनऊ मरकज में अपना चिल्ला स्थापित कर लोगों को इस्लाम के बारे में बता रहे थे, मुझे चिंता होती थी उनके बलिदानों को देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ और जब मैं उनके बहुत करीब गया तो उन्होंने मुझसे कहा कि अगर तुम दुनिया के लिए काम करके खुद को शुद्ध और पारदर्शी कहलाना चाहते हो तो यह तुम्हें कभी नहीं मिलेगा। अल्लाह की खातिर, हमने लखनऊ मुसाफिर खाना , कपूर थला की बड़ी मस्जिद और रहीम नगर मस्जिद के साथ–साथ त्रिविनी नगर अल हुडा स्कूल फाउंडेशन और कुछ विशेष धर्म गुरुवों के जरिये अमीनाबाद, मेहदीगंज, हजरतगंज नानपारा मस्जिद जैसी अल हुडा की शाखाएं स्थापित की हैं। मैं आज भी सोचता हूं कि अगर ऐसी जागरूकता पूरे देश में आ जाए तो मुसलमान और कमजोर लोग पढ़–लिखकर बड़े–बड़े पदों पर आसीन के साथ पहुँच सकते हैं। मैं मरहूम साहब के बारे में जानता हूं कि उन्होंने फैजुल्लागंज में गरीब कमजोरों को कम से कम रुपये में जमीन दी थी। मुखी रूप से शराबबंदी संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुर्तजा अली, साहिब सिंह धानखड़, इंडियन नेशनल लीग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष फहीम सिद्दीकी, मुहम्मद अहमद, मुहम्मद अकबर जफर, डॉ. आफताब अहमद, इसार फाउंडेशन के सचिव इरशाद अहमद सिद्दीकी। राष्ट्रीय संयोजक सनोधन संरक्षण गौतम राणे सागर, मुहम्मद मक्की वकील लखनऊ हाईकोर्ट, नागरिक अधिकार परिषद के अध्यक्ष रफी अहमद एडवोकेट, स्मार्ट पार्टी ऑफ इंडिया के सचिव शहजादे मंसूर अहमद, सैयद अली मुशीर जैदी, अब्दुल बासित रहमानी, जियाउल्लाह सिद्दीकी, डॉ. सईद कुरेशी, नरेंद्र यादव, फौजिया बानो, बहन फरीदा, रोशन जहां, अलीमा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

क्रिसमस पर बंथरा के प्रभु यीशु दरबार में भक्तों का जमावड़ा लगा

लखनऊ,(यूएनएस)। कानपुर रोड स्थित बंथरा के प्रभु यीशु दरबार उम्मेद खेड़ा, खसरवारा में क्रिसमस की पूर्वसंध्या से ही यीशु मसीह के जन्मदिन पर भक्तों का जमावड़ा लग गया था। दोपहर तीन बजे से भण्डारा शुरू हो गया और रात 12 बजे केक काट कर क्रिसमस मनाया गया। प्रभु यीशु मसीह के गीतों और क्रिसमस जिंगल्स गाते हुए भक्तों ने नाच गा कर प्रभु यीशु मसीह को याद किया। प्रभु यीशु दरबार के विशप डॉ राजेन्द्र प्रसाद राव ने सभी को बड़े दिन की शुभकामनाएं दी। विशप डॉ राजेन्द्र प्रसाद राव ने कहा कि ब्लेसिंग चर्च ट्रस्ट ऑफ इंडिया सभी देशवासियों को क्रिसमस तथा नववर्ष की हार्दिक बधाई देते हुए सबके मंगल कामना करते हैं। इस मौके पर नगर पंचायत बंथरा के चेयरमैन रंजीत कुमार रावत, आशीष भाई, सचिन और आकाश ने भी सबको शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रभु यीशु सबको स्वस्थ रखें और मसीह समाज सर्व समाज के लिए दुआएं करते हुए एकजुट रखने की कामना करते हैं।

'नगर निगम कार्यालय में आयोजित किया गया जन-सुनवाई दिवस'

शाहजहांपुर,(यूएनएस)। नगर आयुक्त संतोष शर्मा की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यालय में जन–सुनवाई दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नगर क्षेत्र के लोगों ने जन–सुनवाई दिवस में पहुंचकर साफ–सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश बिन्दू एवं कर विभाग से सम्बन्धित अपनी अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को बताया। जन–सुनवाई दिवस में नगर क्षेत्र से प्राप्त जन समस्याओं–शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना व जन–समस्याओं का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुये संबन्धित विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जन–सामान्य की संतुष्टि, समदृष्टि को ध्यान में रखते हुये ससमय निस्तारण कराया जायें। जन–सुनवाई दिवस में 06 समस्यायें, शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से मौके पर ही 06 समस्यायों,शिकायतों का निस्तारण कराया। जिसके उपरान्त जन–मानस द्वारा सम्भव के अन्तर्गत कराई गई समस्या के शीघ्र निस्तारण हेतु नगर निगम के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया। समस्त नगरवासियों से अपील की गई कि प्रत्येक मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित होने वाले जन–सुनवाई दिवस में सकिय प्रतिभाग कर नगर निगम शाहजहाँपुर द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से सम्बन्धित समस्याओं को रख सकते है, जिनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जायेगा। जन सुनवाई दिवस में अपर नगर आयुक्त एस.के. सिंह, मुख्य अभियंता सिविल एस.के. अम्बेडकर, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी राकेश कुमार सोनकर, महाप्रबंधक जल सौरभ श्रीवास्तव एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारी तथा नगर के जन–सामान्य द्वारा सकिय प्रतिभाग किया।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।